सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 292 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 4 अगस्त 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

सीएम हाउस में बिखरी हरेली की छटा

छत्तीसगढ़िया रंग में नजर आया मुख्यमंत्री आवास, उत्सव का माहौल पारंपरिक व्यंजनों से महका

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

सीएम साय ने की अच्छी फसल और लोगों के सुख-समृद्धि की कामना

मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में आज परंपरागत रूप से छत्तीसगढ़ का पहला त्यौहार हरेली परिवार व आमजनों संग धूमधाम से मनाया जाता रहा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय एवं परिजनों के साथ विधिवत रूप से तुलसी माता, नांगर, कृषि उपकरणों, गेड़ी की पूजा कर अच्छी फसल, किसानों और प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। छत्तीसगढ़ की परंपराएं और संस्कृति मुख्यमंत्री निवास में पूरी तरह से जीवंत हो उठीं। हरेली, जो कि छत्तीसगढ़ का पहला और सबसे प्रमुख त्यौहार है, इसे मुख्यमंत्री श्री साय ने सपरिवार और आमजन के साथ धूमधाम से मनाया। राउत नाचा के कलाकारों के आग्रह पर मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ी पारंपरिक वेशभूषा धारण कर कलाकारों का उत्साह बढ़ाया, जिससे हरेली के इस महोत्सव में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ। मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय ने भी पारंपरिक वेशभूषा पहनकर पूजा-अर्चना की।

रायपुर। राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में हरेली का त्यौहार धूमधाम से मनाया जाता रहा। निवास को बड़े ही सुंदर ढंग से सजाया गया। यहां मेले-मड़ई सा नजारा देखने को मिला। पारंपरिक लोक यंत्रों के साथ सुंदर नाचा का आयोजन होता रहा। पूरे परिसर में उत्सव का माहौल था। सीएम हाउस में ग्रामीण परिवेश जीवंत हो उठा। कहीं सुंदर वस्त्रों में सजे राऊत नाचा कर रहे कलाकारों की रंगत थी तो कहीं आदिवासी कलाकार अपने पारंपरिक लोक नृत्य करते नजर आए। छत्तीसगढ़ का अद्‌भुत ग्रामीण लैंडस्केप अपनी सम्पूर्ण सांस्कृतिक सुंदरता में यहां दिखाई दिया। अलग-अलग तरह की धुनों में छत्तीसगढ़ी संगीत का माधुर्य चरम पर था। किसी ने गेड़ी में चढ़कर हरेली का उत्साह प्रदर्शित किया तो किसी ने भौरा, गिल्ली-डंडा, पिट्टूल और कंचा खेलकर खुशियां जताई। इस दौरान यहां पहुंचे मेहमानों के लिए ठेंठ छत्तीसगढ़िया व्यंजन भी मौजूद थे। ठेठरी, खुरमी, अनरसा, खाजा, करी लड्डु, मुठिया और पिड़िया की प्लेट से पूरा परिसर महकता रहा।

मुख्यमंत्री निवास में हरेली पर्व के अवसर पर कृषि यंत्रों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस लोक पर्व के अवसर पर छत्तीसगढ़ के किसानों को उन्नत कृषि यंत्र की सौगात दी। किसानों को कृषि यंत्रीकरण मिशन के तहत 20 ट्रैक्टर एवं एक हारर्वेस्टर का वितरण भी किया गया। कृषि यंत्रीकरण मिशन के तहत राज्य के 1600 किसानों को ट्रैक्टर प्रदान किए गए। सीमांत, महिला, अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के कृषकों को यह ट्रैक्टर 50 प्रतिशत अनुदान पर तथा अन्य वर्ग के कृषकों को 40 प्रतिशत अनुदान पर प्रदाय किए गए। हरेली पर्व के अवसर पर सीएम साय ने राज्य को स्वास्थ्य की दृष्टि से भी बड़ी सौगात दी। उनकी पहल पर पूरे राज्य में कुल 535 चिकित्सा अधिकारियों की नियुक्तियां की गई है। इससे पूरे राज्य में स्वास्थ्य सेवा न केवल बेहतर होगी, अपितु दूरस्थ क्षेत्रों में भी त्वरित व गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

दिखा छत्तीसगढ़िया रंग

सीएम हाउस में आज पूरा परिसर छत्तीसगढ़िया रंग-ढंग और संस्कृति से लबरेज नजर आया। राज्य की अलग-अलग कला संस्कृति की छटा लोगों का मन मोहती रही। पारंपरिक वेशभूषा में गेड़ी के साथ युवा आकर्षक नृत्य करते नजर आए तो स्थानीय या ग्रामीण खेलों ने भी खूब रंग जमाया। कलाकारों और युवाओं ने गेड़ी नृत्य की शानदार प्रस्तुत दी। पूरे सीएम हाउस को ग्रामीण परिवेश का स्वरूप दिया गया। गौपालक जब अपने साथ गौवंश को लेकर चलते हैं तब जो सज-धज दिखती है, उसका नजारा भी यहां देखने को मिला। ये एक पूरी संस्कृति की झलक थी जो खेती और पशुधन से आगे बढ़ी। प्रकृति के प्रति अपने इसी ऋण और प्रकृति की इस असीम उदारता के लिए ही छत्तीसगढ़ के लोग हरेली का त्यौहार मनाते हैं। यह पर्व जीवन में उल्लास का प्रतीक है और जीवन में शुभ संकल्पों को लेने का त्यौहार है। इस दिन कृषि प्रधान संस्कृति पूरी उम्मीद से आगे बढ़ती है कि उनके पूजा-पाठ से अच्छी खेती होगी।

मलखंभ खिलाड़ियों ने बांधा समां

हरेली के त्यौहार में अपना जौहार दिखाने नारायणपुर से पहुंचे मलखंभ के कलाकारों ने जमकर समां बांधा। मलखंभ हमारी परंपरा का एक हिस्सा है। यह शारीरिक फुर्ती के साथ मनोरंजन का भी अनोखा खेल है। नारायणपुर के मलखंभ खिलाड़ियों का लोहा पूरे देश दुनिया ने माना है और सीएम साय की सरकार इसे आगे बढ़ाने के लिए पुरजोर प्रयास कर रही है। रविवार को सीएम हाउस में जब इन खिलाड़ियों ने अपने जौहर दिखाए तो लोगों ने दांतों तले उंगलियां दबा ली। वहीं, छत्तीसगढ़ के परंपरागत नृत्य राऊत नाचा के जरिए भी युवाओं और बुजुर्गों ने समवेत रूप से राज्य की परंपरा को आगे बढ़ाने का काम किया। राऊत नाचा के लोकगीत छत्तीसगढ़ के लोक समाज की बुद्धिमत्ता, उत्सवप्रेम और सहज मनोरंजन के प्रति उसके आकर्षण को दिखाते हैं। हर लोकगीत अपने समय की मेधा को प्रस्तुत करता है। इन लोकगीतों को बढ़ावा देकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार ने इनमें छिपे अपने समय के दस्तावेजों और लोगों की सोच को भी सहेजने का काम किया है।

ठेठरी-खुरमी, गुलगुल भजिया और पीड़िया-चीला ने महकाया

सीएम हाउस आने वाले आगंतुकों के लिए आज खासतौर पर ठेठली, खुरमी, पीड़िया, गुलगुल भजिया, चीला जैसे पकवान बनाए जाते रहे। सीएम हाउस इन पकवानों की खुशबू से महकता रहा। इनके अलावा आने वाले मेहमानों के लिए ठेठरी, खुरमी, अनरसा (अइरसा), खाजा, करी लड्डु, मुठिया और पिड़िया की प्लेज भी सजाकर तैयार रखी गई थी। गौरतलब है कि हरेली त्यौहार का आरम्भ सावन महीने की अमावस्या से होता है। यह त्यौहार मानसून के आगमन का प्रतीक है, जो खेती के लिए सबसे अनुकूल समय माना जाता है। हरेली त्यौहार का संबंध कृषि से है। इस दिन खेतों में बोनी पूर्ण होने के बाद अच्छी फसल की आस में कृषि यंत्रों की पूजा की जाती है। हरेली त्यौहार में स्वच्छता का भी महत्व है। गांवों में विशेष सफाई और सजावट की जाती है। घर के आंगन और खेतों में नीम के पत्तों, आम की पत्तियों और गोबर से अल्पना बनाई जाती है, जो शुभता और समृद्धि का प्रतीक है। छत्तीसगढ़ में हरेली का त्यौहार बड़े उत्साह से मनाया जाता है। गांव में बच्चे त्योहार का आनंद गेड़ी चढ़कर लेते हैं। बच्चे से लेकर बूढ़े तक गेड़ी दौड़ में शामिल होते हैं। इस दिन खेती-किसानी में सहयोग देने वाले पशुओं, विशेष रूप से गाय-बैल की पूजा भी की जाती है। घरों में इस दिन छत्तीसगढ़ी पकवान बनाए जाते हैं। आज मुख्यमंत्री निवास में इन सबका अनुभव एकसाथ हुआ।

मुख्यमंत्री साय करेंगे कांवडियों का सम्मान, हेलीकॉप्टर से करेंगे पुष्पवर्षा

कबीरधाम। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सावन के तीसरे सोमवार को कबीरधाम में कांवड़ियों का सम्मान करेंगे। वे भोरमदेव में हेलीकॉप्टर से कांवड़ियों पर फूलों की वर्षा करेंगे। यह पहली बार है कि प्रदेश के सीएम कावंड़ियों पर पुष्पवर्षा करेंगे। बता दें कि छत्तीसगढ़ में भोरमदेव और प्रसिद्ध बूढ़ा महादेव मंदिर में श्रावण मास में विशेष रूप से हजारों की संख्या में कवाड़िया पूरे माहभर अमरकंटक नर्मदा जल लाकर अभिषेक करते हैं। तकरीबन 25 से 30 वर्षों से यह परंपरा जारी है और लगातार कावड़ियों की संख्या बढ़ती जा रही है। तय कार्यक्रम के अनुसार सीएम साय सोमवार की सुबह 7 बजे हेलीकॉप्टर से रायपुर से प्रस्थान करेंगे । करीब 7 :30 बजे भोरमदेव पहुंचेंगे और वहां हजारों की संख्यां में पैदल यात्रा कर भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे। इसके बाद शिव भक्तों पर हेलिकॉप्टर से पुष्प वर्षा करेंगे ।भोरमदेव प्रांगण में पुष्प वर्षा के बाद उनका कवर्धा आगमन 8 बजे होगा। वे इस दौरान सुबह 8 :30 बजे तक कवर्धा के प्राचीन प्रसिद्ध बूढ़ा महादेव मंदिर में पंचमुखी बूढ़ा महादेव का दर्शन, पूजन अभिषेक करेंगे। पूरे कार्यक्रम में कवर्धा के स्थानीय विधायक एवं छत्तीसगढ़ शासन में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा मुख्यमंत्री के साथ मौजूद रहेंगे।

श्री दक्षिणेश्वर धाम सरकार

सवालाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं विशाल कलश यात्रा

बड़े हर्ष के साथ सूचित किया जा रहा है कि बाबा भोलेनाथ की कृपा से श्री दक्षिणेश्वर धाम सरकार के तत्वावधान में सवालाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण किया जा रहा है। अत: आप सभी ईष्ट मित्रों सहित पधार कर पार्थिव शिवलिंग निर्माण करने में सहयोग देकर पुण्य के भागीदार बनें।

कार्यक्रम :-

02 अगस्त 2024 - दिन शुक्रवार को प्रात: 7 बजे
कलश यात्रा एवं पर्थिव शिवलिंग का निर्माण

03 अगस्त 2024, दिन शनिवार - सवालाख बेलपत्र में सीताराम लेखन

04 अगस्त 2024, दिन रविवार - रूद्र महाभिषेक एवं महाभंडारा

05 अगस्त 2024 दिन सोमवार - विसर्जन प्रात: 9.00 बजे

आप सभी सपरिवार सवा लाख शिवलिंग निर्माण में सहयोग देकर पुण्य के भागीदार बनें
मो.नं. - 9111768300, 9303937221

स्थान:- श्री दक्षिणेश्वर हनुमान मंदिर (शत्रुहन्ता) सेक्टर-6, सी. मार्केट, भिलाई

यह तो बेशर्मी की हद ही हो गई

श्रीकंचनपथ न्यूज

सबको बिजली चाहिए। फुल वोल्टेज चाहिए, बिना किसी रोक-टोक के चाहिए, सस्ती भी चाहिए। पर इसी बिजली के लिए जब बिजली घर लगाने की बात आती है तो लोग पुलिस पर पत्थर बरसाने लगते हैं। राजस्थान के बांसवाड़ा में माही न्यूक्लियर पावर प्लांट लगाया जा रहा है। प्लांट के लिए जमीन खाली कराने गई पुलिस पर पथराव के साथ ही महिलाओं ने हाइवे जाम कर दिया। पुलिस को आंसू-गैस के गोले छोड़ने पड़े। फिलहाल भारत में लगभग 6,780 मेगावाट की स्थापित क्षमता वाले 22 परमाणु रिएक्टर परिचालन में हैं। कोयला, गैस, पनबिजली और पवन ऊर्जा के बाद परमाणु ऊर्जा भारत में बिजली का पाँचवाँ सबसे बड़ा स्रोत है। अर्थात अभी भी सबसे ज्यादा बिजली कोयले से ही बन रही है। राजस्थान को बिजली के लिए कोयला छत्तीसगढ़ की खदानों से दिया जा रहा है। इसके लिए लाखों पेड़ों की कटाई की जा रही है। भारत में 60 से ज्यादा गैस आधारित बिजली उत्पादन संयंत्र भी हैं पर ये ग्रीनहाउस गैस पैदा करने के लिए बदनाम हैं। दुनिया भर में खपने वाली बिजली का लगभग चौथाई हिस्सा गैस आधारित बिजली संयंत्रों से आता है। ऐसे में रह जाते हैं अक्षय ऊर्जा के स्रोत। इनमें पनबिजली परियोजनाओं के अलावा सौर ऊर्जा और पवनबिजली शामिल हैं। पनबिजली परियोजनाएं केवल नदी बांध परियोजनाओं पर ही स्थापित की जा सकती हैं। पवन बिजली संयंत्रों की भी अपनी सीमाएं और समस्याएं हैं। ऐसे में नाभिकीय और सौर ऊर्जा ही विकल्प रह जाते हैं। फिर इसका विरोध कैसा? कोयला और अन्य खनिज के अंधाधुंध दोहन ने पूरे देश का भूगोल बदल गया है। कब कहां की जमीन धंस जाए, कब बादल रूठ जाएं और कब फट जाएं, इसका अनुमान लगाना तक मुश्किल हो चला है। फिर भी जिद है कि नाभिकीय ऊर्जा संयंत्र नहीं लगने देंगे। लगभग 55 साल पहले देश का पहला परमाणु ऊर्जा स्टेशन महाराष्ट्र के तारापुर में स्थापित किया गया। इनमें दुर्घटना की बात करें तो लाभ और जरूरत की तुलना में उन्हें नगण्य ही कहा जाएगा। इससे ज्यादा लोग तो कोयला खदानों में प्रतिवर्ष अपने प्राण गंवा देते हैं। खदानों में काम करने वालों का न तो कभी जीवन स्तर उठ पाता है और न ही सेहत सुरक्षित रहती है। जीवन प्रत्याशा भी काफी कम होती है। पर लोगों को तो आज भी चेरनोबिल का भूत डरा रहा है। 26 अप्रैल 1986 को चेरनोबिल संयंत्र में हुई दुर्घटना डिजाइन की गड़बड़ी और मानवीय चूकों के कारण हुई थी जिसमें 100 से अधिक लोगों की तत्काल मृत्यु हो गई थी। भारी मात्रा में विकीरण फैलने से हजारों लोग बीमार पड़ गए थे। परमाणु संयंत्रों के इतिहास की यह अब तक की सबसे बड़ी दुर्घटना थी। पर यह 40 साल पुरानी बात है। आधुनिक न्यूक्लियर रिएक्टर चेरनोबिल के मुकाबले कहीं बेहतर हैं। इसलिए अब बिना किसी डर के इसे अपना लेना चाहिए। इसके लिए जनमत तैयार करना स्कूल-कालेजों का भी काम है।

संपादकीय

कुछ योजनाएं पार्टी की पहचान बन जाती है

हर चुनाव में राजनीतिक दल कुछ नई योजनाएं लेकर आते हैं। उसके आधार पर जनता से वोट मांगते हैं। कई योजनाएं ऐसी होती हैं जो पार्टी की जीत का आधार होती है,वहीं कुछ योजनाएं ऐसी होती हैं जिससे पार्टी की जीत तो सुनिश्चित नहीं होती हैं लेकिन वह पार्टी की पहचान बन जाती हैं। जैसे भाजपा की तेंदूपत्ता संग्राहकों को चरण पादुका देने की योजना,छात्राओं को स्कूल आने-जाने के लिए साइकिल देना। छत्तीसगढ़ में यह योजना सबसे पहले भाजपा ने शुरू की थी। इस योजना का मकसद तेंदूपत्ता संग्राहकों को यह एहसास दिलाना था कि देखों हमको तुम्हारी तकलीफका एहसास है।

> तेंदूपत्ता संग्राहकों को जब चरणपादुका नहीं दी जाती थी, तब भी वह पैदल जंगल जाकर तेंदूपत्ता संग्रहण करते थे। जब भाजपा सरकार आई तो उसने चरण पादुका दी तो भी तेंदूपत्ता संग्राहण पैदल जंगल तेंदूपत्ता तोड़ने जाते हैं पर उनको चरण पादुका के कारण नंगे पैर पैदल चलने में जो तकलीफहोती थी, अब नहीं होती है। साथ ही चरण पादुका हमेशा इस बात का एहसास दिलाती रहती है कि यह भाजपा सरकार ने दी है, इसके कारण पैदल चलने मे अब पहले की तरह तकलीफनहीं होती है। भाजपा सरकार को हमारी तकलीफका एहसास है, वही हमारी तकलीफ दूर भी करती है।

चरण पादुका में कोई बहुत ज्यादा पैसा खर्च नहीं होता है। लेकिन इससे भाजपा लोगों को यह एहसास दिलाने में सफल रहती है कि हम आपकी तकलीफजानते हैं और उसे दूर भी करते हैं। यह योजना भाजपा की पहचान बन गई है, यानी भाजपा सरकार आएगी तो लोग यह उम्मीद भी करेंगे कि भाजपा अपनी चरण पादुका योजना को फिर शुरू करे। यह ऐसी योजना है जिसे कांग्रेस सरकार ने अपने समय में बंद कर दिया था,हो सकता हो कांग्रेस को यह योजना पंसद न हो, वह यह मानती हो कि यह योजना तो भाजपा की पहचान है। हम भी यह योजना लागू करेंगे तो लोग कहेंगे कि कांग्रेस भी भाजपा की योजना की नकल कर रही है।

कांग्रेस सरकार जाने के बाद राज्य के लोग उम्मीद कर रहे थे कि सरकार अपनी योजना शुरू करे, यही वजह है कि सीएम साय ने जगदलपुर प्रवास के दौरान तेंदूपत्ता संग्राहकों को चरण पादुका बांटने की घोषणा की है। साथ ही छात्राओं को साइकिल बांटने की योजना भी शुरू की गई है। गांवो में मिडिल स्कूल हाई स्कूल दूर दूर होते हैं,एक गाव से दूसरे गांव पढ़ने जाना पड़ता है, स्कूल दूर होने के कारण छात्राओं को पैदल जाना पड़ता है, बहुत सारे माता पिता स्कूल दूर होने के कारण ही लड़कियों की पढ़ाई बंद करा देते थे। इससे लड़कियों ज्यादा नहीं पढ़ नहीं पाती थी। भाजपा सरकार ने लड़कियों की इस तकलीफ को समझा और वह ज्यादा पढ़ सकें, स्कूल जाने मे कोई परेशानी न हो इसके लिए छात्राओं को साइकिल देने की योजना बनाई गई और इस योजना की वजह से ही राज्य में आज छात्राएं पहले से ज्यादा स्कूल जाती हैं,और हाई, हायर सेंकंडरी की शिक्षा प्राप्त कर पाती हैं।तेंदूपत्ता संग्राहकों को जिस तरह चरण पादुका याद दिलाती ह कि भाजपा हमारी तकलीफ दूर करती है,उसी तरह छात्राओं को साइकिल याद दिलाती है कि भाजपा सरकार के कारण ही हाई स्कूल व हायर सेकंडरी की शिक्षा प्राप्त कर सकी है।

सीएम साय ने सात महीने बाद ही सही भाजपा की पहचान मानी जाने वाली योजनाएं शुरू कर जनता की तकलीफ व उस दूर करने के प्रति अपनी संवेदनशीलता दिखाई है तो इससे भाजपा की पहचान गांवों में बनेगी और उसका राजनीतिक लाभ भी उसे मिलेगा। बहुत सारे राजनीतिक दल को कम खर्च में पार्टी का ज्यादा प्रचार चाहते हैं तो वह ऐसी योजनाएं बनाते हैं जिससे जनता की तकलीफ दूर होती है, भाजपा की ऐसी योजना चरण पादुका योजना, सरस्वती साइकिल योजना है तो कांग्रेस ने अपने समय में गोधन न्याय योजना बनाई थी। गोधन न्याय योजना ऐसी योजना थी,जो कांग्रेस की पहचान बन गई थी, इस योजना के तहत सरकार गोबर खरीदती थी और उसका खाद बनवाकर बेचती थी। कांग्रेस सरकार की इस योजना मे भी कोई बहुत पैसा नहीं लगता था लेकिन इससे गांवों तक यह संदेश जरूर जाता था कि भूपश सरकार गांवों के विकास, उसकी संपन्नता के लिए काम कर रही है।वह गांवों को रोजगार देना चाहती है, गांवों की आय बढ़ाना चाहती है।

फैसला अच्छा है पर राजनीति तो होगी ही

सुनील दास

एससी, एसटी आरक्षण मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला कि राज्य सरकारें कोटे के भीतर कोटा दे सकती है। एक अच्छा फैसला है, इस पर अमल होता है तो आजादी के बाद से जिन लोगों को आरक्षण का लाभ नहीं मिला है, उनको भी आरक्षण का लाभ आसानी से मिल सकेगा। आजादी के समय जब एससी,एसटी को आरक्षण दिया गया था तो उनको एक समूह मानकर दिया गया था, उम्मीद की गई थी, समूह में सभी लोगों को समान रूप से आरक्षण का लाभ मिलेगा। आजादी के कई दशकों बाद अब देश के लोगों को लग रहा है कि समूह में सभी लोगों को समान रूप से आरक्षण का लाभ नहीं मिल रहा है। एससी,एसटी के ऊपर के लोगों को तो आरक्षण का लाभ कई पीढियों से मिल रहा है लेकिन नीचे के लोगों को आरक्षण का लाभ मिल ही नहीं रहा है।

आरक्षण का लाभ ऊपर से नीचे आ ही नहीं रहा है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया है कि जिन लोगों के कारण नीचे के लोगों को आरक्षण नहीं मिल रहा है, उनको अब आरक्षण नहीं मिलना चाहिए और अब समूह की जगह जातियों की आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक स्थिति के आधार पर जिन लोगों को अब तक आरक्षण नहीं मिला है,उनको आरक्षण देने की व्यवस्था राज्य सरकारें करेंगी। सुनने,पढ़ने मे यह बहुत अच्छा लगता है लेकिन ऐसी व्यवस्था बनाने मे अभी लंबा वक्त लग सकता है।

हर राज्य में एससी,एसटी की संख्या अलग है, कहां किसको आरक्षण का लाभ मिल रहा है, किसको नही मिल रहा है, संख्या में कौन ज्यादा,कौन चुनाव में जीता सकता है, हरा सकता है,यह सब भी तो सरकार व राजनीतिक दलों को देखना होगा। एससी.एसटी को जो लोग अब एक वोट बैंक के रूप मे इस्तेमाल कर रहे थे, सब जातियों को अलग अलग आरक्षण मिलने से अब एससी,एसटी एक वोट बैंक नहीं रह जाएगा, वहां जातियों के नए नेता सामने आएंगे, जातियों में हर क्षेत्र मे प्रतिनिधित्व की मांग बढ़ेगी। राजनीतिक दलों के लिए इन्हें साधना और मुश्किल हो जाएगा। इससे सबसे ज्यादा दिक्कतें उन जातिवादी दलो को होने वालीं हैं जो जाति की राजनीति करते हैं। पहले एससी,एसटी के कम नेताओं को टिकट दी जाती थी,अब जिस जाति का वोट चाहिए, उस जाति के नेता को टिकिट देना पड़ेगा।कई राज्यो में एससी,एसटी को आरक्षण भी तो कम ज्यादा है। वहां अलग समस्या होगी। छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल सरकार ने आरक्षण को जो बिल लाया था उसमें एससी,एसटी का आरक्षण बढ़ाया गया था। वह बिल राज्यपाल के पास हस्ताक्षर के लिए लंबित है. उस पर दो राज्यपालों ने कोई फैसला नही किया है,अब तीसरे राज्यपाल आ चुके हैं।

कांग्रेस को फिर आरक्षण का बिल याद आएगा। वह जरूर दबाव बनाएगी कि सरकार आरक्षण बिल पर अपना रुख स्पष्ट करे। राज्य सरका पर दवाब रहेगा कि वह एससी,एसटी को संतुष्ट करे कि जिन लोगों को अब तक आरक्षण का लाभ नहीं मिला है,राज्य सरकार दिलाने के लिए काम करेगी। अब तो सवाल एससी, एसटी को कितना आरक्षण मिल रहा है इसका है ही नहीं, अब तो सवाल यह है कि जितना भी आरक्षण मिल रहा है,उसका लाभ सभी लोगों को मिल रहा है या नहीं। जो राजनीतिक दल एससी,एसटी की सभी जातियों को आरक्षण का लाभ दिला पाएगा, उसे एससी,एसटी की सभी जातियों का वोट मिलेगा। उसी राजनीतिक दल को सबसे ज्यादा लाभ होगा।

(ये लेखक के विचार हैं)

नजरिया

राखीगढ़ी में देखे गए हड़प्पा के नए पहलू भी पढ़ाए जाएंगे

एनसीईआरटी ने हाल ही में इतिहास की स्कूली पाठ्य-पुस्तकों के लिए प्रस्तावित संशोधनों में हरियाणा स्थित राखीगढ़ी के पुरातात्विक स्थल पर पाए गए कंकाल-अवशेषों के डीएनए विश्लेषण के आधार पर नई जानकारियां दी हैं।

विनोद कुमार यादव,
उत्खनन से जुड़े इतिहासकार

12वीं कक्षा की इतिहास की किताब के नए संस्करण में राखीगढ़ी के बारे में कहा गया है कि हड़प्पावासी हरियाणा की राखीगढ़ी के मूल निवासी थे। वे आर्यों के प्रवास से पहले राखीगढ़ी में मौजूद थे। इतिहास की पाठ्य-पुस्तक में किए गए ये संशोधन चर्चा का कारण बने हुए हैं। एनसीईआरटी ने हाल ही में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड को इसके बारे में अवगत कराया है। राखीगढ़ी के पुरातात्विक अध्ययन से पता चलता है कि हड़प्पावासियों की आनुवंशिक जड़ें 10 हजार ईसा पूर्व तक जाती हैं। लिहाजा, इस बारे में नए सिरे से तथ्यों को संयोजित किया जाना चाहिए, ताकि मानव सभ्यता की विकास यात्रा के नए अध्याय लिखे जा सकें।

भारतीय उपमहाद्वीप में सिंधु, रावी, सरस्वती और दृषद्वती नदियों के किनारे जो सभ्यता विकसित हुई, उसे सिंधु घाटी सभ्यता या हड़प्पा सभ्यता कहा जाता रहा है। महत्वपूर्ण पुरास्थल राखीगढ़ी के अलावा बनावली, धोलावीरा और लोथल कालीबंगा पुरास्थल सरस्वती नदी के पैलियो-चैनल पर बसे हुए थे। ऋग्वेद की सौ से अधिक ऋचाओं में सरस्वती का उल्लेख अन्न-प्रदायनी और सदानीरा के रूप में हुआ है। शोध अध्ययन के मुताबिक, 63 फीसदी से अधिक पुरास्थल सरस्वती और उसकी सहायक नदियों के किनारे बसे हुए थे, जबकि 21 प्रतिशत सिंधु व उसकी सहायक नदियों के किनारे स्थित थे। अतः पुरातात्विक सबूतों के आधार पर अब एनसीईआरटी की किताबों में सिंधु-सरस्वती सभ्यता लिखना तय किया गया है। गौरतलब है कि राखीगढ़ी सभ्यता से जुड़े दो हजार पुरास्थल चिह्नित हो चुके हैं। ये स्थल अफगानिस्तान, पाकिस्तान और भारत में लगभग 13 लाख वर्ग किलोमीटर में फैले हुए हैं।

सामान्यतः सभ्यता से तात्पर्य मनुष्य की उपलब्धियों से है, यानी सामाजिक विकास की उन्नत अवस्था को 'सिविलाइजेशन' कहते हैं और जब यह अवस्था अपने बौद्धिक उत्कर्ष पर पहुंचकर अलंकृत व परिष्कृत हो जाती है, तो सभ्यता स्वाभाविक रूप से 'संस्कृति' में रूपांतरित हो जाती है। हालांकि, सभ्यता और संस्कृति, दोनों अवस्थाएं एक-दूसरे की पूरक हैं।

लगभग सात हजार वर्ष प्राचीन सभ्यता को समेटे राखीगढ़ी से नमस्कार मुद्रा में, पद्मासन अवस्था में योगी की मृण्मूर्ति मिली है। हाल ही में एएसआई टीम को यहां से दो महिलाओं के कंकाल मिले हैं, जिनके हाथों में खोल की चूड़ियां, तांबे का दर्पण, पत्थरों के मनके और मालाएं मिली हैं। शोध से पता चला कि ये कंकाल 2800-2300 ईस्वी पूर्व के हैं। शोधार्थियों के अनुसार, राखीगढ़ी के कंकाल में उत्तर के पशुचारियों के अलावा ईरान या तुर्की से आए पश्चिमी खेतिहरों का कोई प्रमाण नहीं मिला है, यानी ये शुद्ध भारतीय वंशजों के हैं।

हड़प्पा सभ्यता-संस्कृति के अफगानिस्तान, पाकिस्तान से लेकर भारत स्थित तमाम पुरातात्विक स्थलों में राखीगढ़ी को अद्वितीय माना जा रहा है। इन दिनों चौथे चरण का उत्खनन चल रहा है। मई 2022 में तीसरे चरण के उत्खनन के दौरान जो महत्वपूर्ण पुरावशेष मिले थे, उन्हीं के आलोक में सर्वेक्षण व उत्खनन को आगे बढ़ाया जा रहा है। राखीगढ़ी पुरास्थल की तीसरे चरण की खुदाई से यह सिद्ध हो गया है कि हड़प्पा सभ्यता का सबसे सुनियोजित, सुव्यवस्थित, खूबसूरत और बड़ा नगर मोहनजोदाड़ो नहीं, बल्कि राखीगढ़ी है। अपनी बेहतरीन शहर-योजना, सुनियोजित जन-निकास प्रणाली, बहुमंजिला मकानों व स्वच्छतापूर्ण संस्कृति को लेकर सुर्खियों में है। तीसरी खुदाई में मिले महत्वपूर्ण पुरावशेषों में सबसे खास है-सोने के आभूषण तराशने की फैक्टरी। इस फैक्टरी के साक्ष्यों का कालखंड पांच हजार साल पुराना है। हालांकि, सोने के आभूषण प्रचुर मात्रा में नहीं मिले हैं, किंतु हड़प्पा कालीन सोने की एक अनूठी पट्टिका प्राप्त हुई है। इस पर हड़प्पा लिपि में कुछ लिखा हुआ है, जिसका अर्थ खोजने में लिपि-विशेषज्ञ जुटे हुए हैं। लिपि का अर्थ स्पष्ट होने पर हड़प्पा सभ्यता के कुछ और अनसुलझे रहस्यों से परदा उठेगा।

राखीगढ़ी के पुरावशेषों को देखते हुए इतिहासकारों की राय है कि ये पुरातात्विक प्रमाण निश्चित तौर पर मानव सभ्यता की विकास यात्रा के नए अध्याय खोलेंगे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

मौत बांटते असुरक्षित कोचिंग सेंटर, पीजी और हॉस्टल

ललित गर्ग

दिल्ली में सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कराने वाले एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से तीन छात्रों की मौत-हादसे ने समूचे राष्ट्र को दुःखी एवं आहत किया है, यह हादसा नहीं, बल्कि मानव जनित त्रासदी है, लापरवाही एवं लोभ की पराकाष्ठा है। इस त्रासदी की जड़ में है घोर दोषग्रस्त कोचिंग प्रणाली और व्यवस्था की जड़ों में समा गया बेलगाम भ्रष्टाचार। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कोचिंग संस्थान के दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है, क्योंकि दिल्ली नगर निगम के उन कर्मचारियों और अधिकारियों को क्यों नहीं गिरफ्तार किया गया जो सब कुछ जानते-बूझते हुए इस संस्थान को बेसमेंट में लाइब्रेरी चलाने की सुविधा प्रदान किए हुए थे। इस दुःखद एवं पीड़ादायक घटना ने एक बार फिर यही साबित किया है कि निर्माण कार्यों में फैले व्यापक भ्रष्टाचार और शासन तंत्र में बैठे लोगों की मिलीभगत के बीच ईमानदारी, नैतिकता, जिम्मेदारी या संवेदनशीलता जैसी बातों की जगह नहीं है। जिसकी कीमत निर्दोषों को अपनी जान गंवा का चुकानी पड़ रही है। निश्चित ही देशभर में कुकुरमुत्तों की तरह उग आए कोचिंग सैंटर डैथ सैंटर बन चुके हैं। कोचिंग सैंटरों का कारोबार शासन के दिशा-निर्देशों की धज्जियां उड़ाकर चल रहे हैं। छात्रों को सुनहरी भविष्य का सपना दिखा कर मौत बांटी जा रही है। आजादी के अमृत-काल में पहुंचने के बाद भी भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, बेईमानी हमारी व्यवस्था में तीव्रता से व्याप्त है, अनेक हादसों एवं जानमाल की हानि के बावजूद भ्रष्ट हो चुकी मोटी चमड़ी पर कोई असर नहीं होता। प्रश्न है कि सैंटर के मालिक को तो गिरफ्तार कर लिया लेकिन ऐसी घटनाओं के दोषी अधिकारी क्यों नहीं गिरफ्तार होते?

शनिवार की शाम राजधानी दिल्ली के ओल्ड राजेन्द्र नगर के कोचिंग सैंटर में हुए हादसे में तीन छात्रों नेविन डोल्विन, तान्य सोनी और श्रेया यादव की दुखद मौत ने अनेक सवालों को खड़ा किया है। केरल का रहने वाला नेविन आईएएस की तैयारी कर रहा था और वह जेएनयू से पीएचडी भी कर रहा था। उत्तर प्रदेश की श्रेया यादव ने अभी एक महीना पहले ही इस कोचिंग सैंटर में दाखिला लिया था। कोचिंग सैंटर के बेसमेंट में लाइब्रेरी चल रही थी जहां 150 छात्रों के बैठने की व्यवस्था थी। हादसे के वक्त 35 छात्र मौजूद थे। चंद मिनटों में ही बेसमेंट में पानी भर गया। सिर्फ इसी सैंटर में नहीं, बल्कि लगभग सभी शैक्षणिक कोचिंग सैंटर के बेसमेंट में लाइब्रेरी बनाई गई है। जिसके गेट बायोमेट्रिक आईडी से खुलते हैं, जैसे ही बारिश होती है, बिजली चली जाती है, उसके बाद बेसमेंट से निकलना बिना बायोमैट्रिक आईडेंटिफिकेशन के मुश्किल होता है। ऐसी स्थिति में हादसे और मौत की संभावना बढ़ जाती है। ओल्ड राजेंद्र नगर के न सिर्फ कोचिंग सैंटर बल्कि पीजी और हॉस्टल की असुरक्षित हालत भी मौत लिये किसी भी क्षण बड़े हादसे की संभावना के साथ खड़ी है। जहां इस कदर अवैध निर्माण है कि कभी भी दूसरा या दोबारा हादसा हो सकता है। इसलिये ऐसे हादसों की जांच से काम नहीं चलने वाला।

विडम्बनापूर्ण है ऐसे जलभराव एवं आगजनी के हादसों से सबक नहीं लिया जाता। यह प्रवृत्ति दुर्भाग्यपूर्ण है। विडम्बना देखिये कि ऐसे भ्रष्ट शिखरों को बचाने के लिये सरकार कितने सारे झूठ का सहारा लेती है। राजधानी में रह-रह कर एक के बाद एक हो रहे हादसों के बावजूद दिल्ली-सरकार की नींद नहीं खुल रही है। हाल ही में गुजरात के राजकोट में एक एम्यूजमेंट पार्क के अंदर गेमिंग जोन में लगी आग की लपटें हो या राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बच्चों के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में आग लगना और अब कोचिंग सैंटर में तीन होनहार एवं देश के भविष्य बच्चों का दर्दनाक तरीके से डूबकर मर जाना-निश्चित रूप से ये हादसे प्रशासनिक लापरवाही की उपज हैं, यही कारण है कि सिस्टम में खामियों और ऐसी आपदाओं को रोकने में सरकारी अधिकारियों की लापरवाही की निंदा भी व्यापक स्तर की जा रही है। यह याद रखने योग्य है कि नियमित अंतराल पर मानवीय जिम्मेदारी वाले पहलू की अनदेखी से ऐसी गंभीर घटनाएं होने के बावजूद अधिकारियों की उदासीनता और लापरवाही कम होती नहीं दिख रही है। इन त्रासद हादसों ने कितने ही परिवारों के घर के चिराग बुझा दिए।

परिवार वालों ने और छात्रों ने स्वर्णिम भविष्य के सपने संजो कर और लाखों की फीस देकर कोचिंग शुरू की होगी लेकिन उन्हें नहीं पता था कि उन्हें इस तरह मौत मिलेगी। छात्रों की मौत को महज हादसा नहीं माना जा सकता, यह एक तरह से निर्मम हत्या है और हत्यारा है हमारा सिस्टम। हादसे से आक्रोशित छात्रों का कहना है कि वे 10-12 दिन से दिल्ली नगर निगम से कह रहे हैं कि ड्रेनेज सिस्टम की सफाई कारवाई जाए लेकिन किसी भी जनप्रतिनिधि और जिम्मेदार अधिकारियों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। हादसे तभी होते हैं जब नियमों और कानूनों को ताक पर रखा जाता है। तंत्र की काहिली और आपराधिक लापरवाही के चलते ऐसे हादसे होते हैं जिनमें भ्रष्टाचार पसरा होता है, जब अफसरशाह लापरवाही करते हैं, जब स्वार्थ एवं धनलोलुपता में मूल्य बौने हो जाते हैं और नियमों और कायदे-कानूनों का उल्लंघन होता है। जलभराव क्यों और कैसे हुआ, यह तो जांच का विषय है ही लेकिन इन शैक्षणिक एवं व्यावसायिक इकाइयों को उसके मालिकों ने मौत का कुआं बना रखा था। आखिर क्या वजह है कि जहां दुर्घटनाओं की ज्यादा संभावनाएं होती हैं, वही सारी व्यवस्थाएं फेल दिखाई देती है? सारे कानून कायदों का वहीं पर स्याह हनन होता है। हर दुर्घटना में गलती भ्रष्ट आदमी यानी अधिकारी एवं व्यवसायी की ही होती है, लेकिन दुर्घटना होने के बाद ही उन पर कार्रवाई क्यों होती है? सरकार पहले क्यों नहीं जागती?

वैसे तो बेसमेंट में कोचिंग सैन्टर या लाइब्रेरी चलाना गैर-कानूनी है, इस घटना के सन्दर्भ जब बेसमेंट में स्टोर या पार्किंग की अनुमति दी गई थी तो वहां लाइब्रेरी कैसे चलने लगी? स्पष्ट है कि कोचिंग संचालकों और दिल्ली नगर निगम के अधिकारियों की मिलीभगत से ऐसा हो रहा होगा। जलभराव के कारण पानी जब बेसमेंट में घुसा तब लाइब्रेरी में 30-35 छात्र थे। यह तो गनीमत रही कि तीन अभागे छात्रों को छोड़कर बाकी सब जैसे-तैसे निकल आए। इस इलाके में बरसात में हर समय जलभराव होता है, लेकिन किसी ने उसकी सुध नहीं ली। इसका कोई विशेष औचित्य नहीं कि एमसीडी ने एक जांच समिति गठित करने की बात कही है। जांच के नाम पर लीपापोती होने की ही आशंका अधिक है। दिल्ली की घटना इसकी परिचायक है कि जिन पर भी शहरी ढांचे की देखरेख करने और उसे संवारने की जिम्मेदारी है, वे अपना काम सही से करने के लिए तैयार नहीं। यही कारण है कि देश की राजधानी के साथ-साथ अन्य महानगरों का भी शहरी ढांचा बुरी तरह चरमरा गया है।

बात हम नया भारत एवं विकसित भारत की करते हैं, लेकिन हमारी व्यवस्थाएं अभी वैसी नहीं बनी है और हम अनियंत्रित एवं असुरक्षित विकास करते जा रहे हैं। मुंबई हो, दिल्ली हो, चेन्नई या बेंगलुरु या ऐसे ही अन्य बड़े शहर हर कहीं अनियोजित विकास और शहरी निर्माण संबंधी नियम-कानूनों के खुले उल्लंघन के चलते आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। स्थिति यह है कि सरकारी भवनों तक में सुरक्षा के उपायों की अनदेखी होती है। दिल्ली के इनकम टैक्स भवन में आग से एक अधिकारी की जान हाल में गयी। कहने को तो अपने देश में हर तरह के नियम-कानून हैं, लेकिन वे कागजों पर ही अधिक हैं या निर्दोषों को परेशानी करने के लिये है। औसत जनप्रतिनिधि और अधिकारी-कर्मचारी पैसे बनाने के फेर में रहते हैं और अनियोजित विकास को रोकने के बजाय उसे बढ़ावा देने का काम करते हैं। सब चलता है वाली प्रवृत्ति इस तरह अपनी जड़ें जमा चुकी है कि व्यवस्था की परवाह करना ही छोड़ दिया गया है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि शहरी विकास के बड़े-बड़े दावे करने और उन्हें संवारने की तमाम योजनाएं बनाने के बावजूद देश के शहर दुर्दशाग्रस्त एवं असुरक्षित हैं। हर हादसे पर सियासत होती है लेकिन कोचिंग सैंटर माफिया इतना ताकवर है कि उसके आगे कोई कुछ नहीं बोलता। ऐसा क्यों है यह सब जानते हैं।

(ये लेखक के विचार हैं)

आइए इस हरेली धरती माँ का श्रृंगार करें, एक पेड़ मां के नाम लगाएं

डॉ. दानेश्वरी संभाकर, सहायक संचालक

छत्तीसगढ़ की संस्कृति अपनी अति विशिष्ट परंपराओं और पर्वों के लिए जानी जाती है और हर पर्व, प्रकृति के पीछे गहरे समर्पण की मिसाल देता है। हरियाली को लेकर ऐसा ही दुर्लभ पर्व हरेली है, जब पूरी धरती हरीतिमा की चादर ओढ़ लेती है। धान के खेतों में रोपा लग जाता है और खेतों में चारों ओर प्रकृति अपने सुंदर नजारे में अपने को व्यक्त करती है। धरती माता का पूरा स्नेह पृथ्वीवासी या हर जीव-जन्तु पर उमड़ता है और इस स्नेह के प्रतिदान के लिए हम हरेली में प्रकृति को पूजते हैं। इस बार हरेली पर्व पर एक और खुशी हमारे प्रदेशवासियों के साथ जुड़ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक पेड़ माँ के नाम पर लगाने के अभियान का आगाज किया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में यह अभियान पूरे उत्साह से चल रहा है। मुख्यमंत्री ने हरेली के अवसर पर लोगों से पेड़ लगाने की अपील की है। यह पेड़ वे अपनी माँ के नाम लगाएंगे साथ ही धरती माँ के नाम लगाएंगे, जो धरती हमें इतना कुछ देती है, उसके श्रृंगार के लिए पौधा लगाएंगे और सहेजेंगे। यह पौधा हमारी हरेली की स्मृतियों को सुरक्षित रखने के लिए भी यादगार होगा। साथ ही प्रदेश भर में जहां भी खुले मैदानों में पौधरोपण के आयोजन होंगे वहां लोग गेड़ी का आनंद भी लेंगे। अपनी प्रकृति और परिवेश से जुड़ने और इसे समृद्ध करने से बढ़कर सुख और क्या होगा।

छत्तीसगढ़ का पहला लोक पर्व हरेली

छत्तीसगढ़ का सबसे पहला लोक पर्व हरेली है, जो लोगों को छत्तीसगढ़ की संस्कृति और आस्था से परिचय कराता है। हरेली का मतलब हरियाली होता है, जो हर वर्ष सावन महीने के अमावस्या में मनाया जाता है। हरेली मुख्यतः खेती-किसानी से जुड़ा पर्व है। इस त्यौहार के पहले तक किसान अपनी फसलों की बोआई या रोपाई कर लेते हैं और इस दिन कृषि संबंधी सभी यंत्रों नागर, गैंती, कुदाली, फावड़ा समेत कृषि के काम आने वाले सभी तरह के औजारों की साफ-सफाई कर उन्हें एक स्थान पर रखकर उसकी पूजा-अर्चना करते हैं। घर में महिलाएं तरह-तरह के छत्तीसगढ़ी व्यंजन खासकर गुड़ का चीला बनाती हैं। हरेली में जहाँ किसान कृषि उपकरणों की पूजा कर पकवानों का आनंद लेते हैं, आपस में नारियल फेंक प्रतियोगिता करते हैं, वहीं युवा और बच्चे गेड़ी चढ़ने का मजा लेते हैं।

हरेली के दिन गांव में पशुपालन कार्य से जुड़े यादव समाज के लोग सुबह से ही सभी घरों में जाकर गाय, बैल और भैंसों को नमक और बगरंडा का पत्ता खिलाते हैं। हरेली के दिन गांव-गांव में लोहारों की पूछपरख बढ़ जाती है। इस दिन गांव के लोहार हर घर के मुख्य द्वार पर नीम की पत्ती लगाकर और चौखट में कील ठोंककर आशीष देते हैं। मान्यता है कि ऐसा करने से उस घर में रहने वालों की अनिष्ट से रक्षा होती है। इसके बदले में किसान उन्हे दान स्वरूप स्वेच्छा से दाल, चावल, सब्जी और नगद राशि देते हैं। ग्रामीणों द्वारा घर के बाहर गोबर से बने चित्र बनाते हैं, जिससे वह उनकी रक्षा करे।

हरेली से तीजा तक गेड़ी दौड़ का आयोजन

हरेली त्यौहार के दिन गांव के प्रत्येक घरों में गेड़ी का निर्माण किया जाता है, मुख्य रूप से यह पुरुषों का खेल है घर में जितने युवा एवं बच्चे होते हैं उतनी ही गेड़ी बनाई जाती है। गेड़ी दौड़ का प्रारंभ हरेली से होकर भादो में तीजा पोला के समय जिस दिन बासी खाने का कार्यक्रम होता है उस दिन तक होता है। बच्चे तालाब जाते हैं स्नान करते समय गेड़ी को तालाब में छोड़ आते हैं, फिर वर्षभर गेड़ी पर नहीं चढ़ते हरेली की प्रतीक्षा करते हैं। चूंकि वर्षा के कारण गांव के कई जगहों पर कीचड़ भर जाता है, इस समय गेड़ी पर बच्चे चढ़कर एक स्थान से दूसरे स्थान पर आते जाते हैं उसमें कीचड़ लग जाने का भय नहीं होता। बच्चे गेड़ी के सहारे कहीं से भी आ जा सकते हैं। गेड़ी का संबंध कीचड़ से भी है। कीचड़ में चलने पर किशोरों और युवाओं को गेड़ी का विशेष आनंद आता है। रास्ते में जितना अधिक कीचड़ होगा गेड़ी का उतना ही अधिक आनंद आता है। वर्तमान में गांव में काफी सुधार हुआ है गली और रास्तों पर काम हुआ है। अब ना कीचड़ होती है ना गलियों में दलदल। फिर भी गेड़ी छत्तीसगढ़ में अपना महत्व आज भी रखती है। गेड़ी में बच्चे जब एक साथ चलते हैं तो उनमें एक दूसरे से आगे जाने की इच्छा जागृत होती है और यही स्पर्धा बन जाती है। बच्चों की ऊंचाई के अनुसार दो बांस में बराबर दूरी पर कील लगाते हैं और बांस के टुकड़े को बीच में फाड़कर दो भाग कर लेते हैं, फिर एक सिरे को रस्सी से बांधकर पुनः जोड़ देते हैं इसे पउवा कहा जाता है। पउवा के खुले हुए भाग को बांस में कील के ऊपर फंसाते हैं पउवा के ठीक नीचे बांस से सटाकर 4-5 इंच लंबी लकड़ी को रस्सी से इस प्रकार बांधते है, जिससे वह नीचे ना जा सके लकड़ी को घोड़ी के नाम से भी जाना जाता है। गेड़ी में चलते समय जोरदार ध्वनि निकालने के लिए पैर पर दबाव डालते हैं जिसे मच कर चलना कहा जाता है।

नारियल फेंक प्रतियोगिता

नारियल फेंक बड़ों का खेल है इसमें बच्चे भाग नहीं लेते। प्रतियोगिता संयोजक नारियल की व्यवस्था करते हैं, एक नारियल खराब हो जाता है तो तत्काल ही दूसरे नारियल को खेल में सम्मिलित किया जाता है। खेल प्रारंभ होने से पूर्व दूरी निश्चित की जाती है, फिर शर्त रखी जाती है कि नारियल को कितने बार फेंक कर उक्त दूरी को पार किया जाएगा। प्रतिभागी शर्त स्वीकारते हैं, जितनी बार निश्चित किया गया है उतने बार में नारियल दूरी पार कर लेता है तो वह नारियल उसी का हो जाता है। यदि नारियल फेंकने में असफल हो जाता है तो उसे एक नारियल खरीद कर देना पड़ता है। नारियल फेंकना कठिन काम है इसके लिए अभ्यास जरूरी है। पर्व से संबंधित खेल होने के कारण बिना किसी तैयारी के लोग भाग लेते है।

बस्तर क्षेत्र में हरियाली अमावस्या पर मनाया जाता है अमुस त्यौहार

छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में ग्रामीणों द्वारा हरियाली अमावस्या पर अपने खेतों में औषधीय जड़ी-बूटियों के साथ तेंदू पेड़ की पतली छड़ी गाड़ कर अमुस त्यौहार मनाया जाता है। इस छड़ी के ऊपरी सिरे पर शतावर, रसना जड़ी, केऊ कंद को भेलवां के पत्तों में बांध दिया जाता है। खेतों में इस छड़ी को गाड़ने के पीछे ग्रामीणों की मान्यता यह है कि इससे कीट और अन्य व्याधियों के प्रकोप से फसल की रक्षा होती है। इस मौके पर मवेशियों को जड़ी बूटियां भी खिलाई जाती है। इसके लिए किसानों द्वारा एक दिन पहले से ही तैयारी कर ली जाती है। जंगल से खोदकर लाई गई जड़ी बूटियों में रसना, केऊ कंद, शतावर की पत्तियां और अन्य वनस्पतियां शामिल रहती है, पत्तों में लपेटकर मवेशियों को खिलाया जाता है। ग्रामीणों का मानना है कि इससे कृषि कार्य के दौरान लगे चोट-मोच से निजात मिल जाती है। इसी दिन रोग बोहरानी की रस्म भी होती है, जिसमें ग्रामीण इस्तेमाल के बाद टूटे-फूटे बांस के सूप-टोकरी-झाड़ू व अन्य चीजों को ग्राम की सरहद के बाहर पेड़ पर लटका देते हैं। दक्षिण बस्तर में यह त्यौहार सभी गांवों में सिर्फहरियाली अमावस्या को ही नहीं, बल्कि इसके बाद गांवों में अगले एक पखवाड़े के भीतर कोई दिन नियत कर मनाया जाता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

रमन (प्रा.) आई.टी.आई.
Recognised by: NCVT & DGT NEW DELHI, GOVT. OF INDIA
COPA
कोपा
STENOGRAPHER (Hindi)
स्टेनोग्राफर (हिन्दी)
योग्यता 10वीं उत्तीर्ण
(एक वर्षीय पाठ्यक्रम) - प्रवेश प्रारंभ
प्रवेश लेने पर फीस में विशेष छूट
एवं फीस मासिक किस्तों में
शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति योजना
Raman I.T.I. : बाबा दीप सिंह नगर (वैशालीनगर), भिलाई, जिला-दुर्ग, छ.ग.
Call : 0788-4033571, 7389471941, 0788-4903573 4903572, 7773027492

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-
• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

धनोरा दुर्ग में कल निकलेगी कांवर यात्रा

दुर्ग। बाबा दरबार पावन धाम धनोरा दुर्ग में श्रावण मास के पावन पर्व पर 5 अगस्त सोमवार को डाक कांवर यात्रा शिवनाथ नदी से जल लेकर नदी रोड दुर्ग से गंजपारा, कसारीडीह, महाराजा चौक से बोरसी रोड से सिधा महावीर उद्यान में बैठे भुत भावन भोलेनाथ पर भक्तों के द्वारा जल चढ़ाकर पूजा पाठ किया जाएगा। 12 अगस्त सोमवार को सुबह 10 बजे से रुद्राभिषेक एवं हवन पुजा पाठ कर खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया जाएगा। बाबा दरबार के लक्ष्मण बाबा जी ने सभी भक्तों से आग्रह किया है कि अधिक से अधिक संख्या मे सम्मिलित होकर इस डाक कांवर यात्रा एवं अभिषेक पुजा पाठ मे शामिल होवे। उक्त जानकारी दरबार प्रति निधी चंद्रकांत कोसरे एवं कुंजलाल साहू ने दी हैं।

ट्रेनों के रद्द होने पर कांग्रेसियों ने रेल्वे स्टेशन में बोला हल्ला

दुर्ग। प्रदेश कांग्रेस के निर्देशानुसार दुर्ग जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा शनिवार को रेल्वे स्टेशन का घेराव कर यात्रियों की सुविधा के लिए 72 रद्द ट्रेनों को वापस चालू करने की मांग की गई। इस दौरान रेलमंत्री और डीआरएम के नाम मुख्य स्टेशन प्रबंधक को ज्ञापन भी सौंपा गया। यह घेराव प्रदर्शन पूर्व विधायक अरुण वोरा के नेतृत्व में किया गया। पूर्व विधायक अरुण वोरा ने कहा कि रेलवे द्वारा लगातार आमजन रेलयात्रियों की उपेक्षा की जा रही है। लगातार ट्रेनों को रद्द किया जा रहा है। वर्तमान में 72 से अधिक ट्रेनों को राजनांदगांव कलमना रेलखंड के बीच तीसरी लाईन जोड़ने के नाम पर रद्द कर दिया गया है। जिससे 4 अगस्त से 19 अगस्त के बीच 72 यात्री ट्रेने प्रभावित रहेगी। रेलवे का यह कदम बेहद ही गैर जिम्मेदाराना है। ऐसे समय में जब देश का प्रमुख त्योहार रक्षाबंधन है, छत्तीसगढ़ का प्रमुख त्योहार हरेली है। इस समय इतनी बड़ी संख्या में यात्री ट्रेनों को रद्द किया जाना रेल यात्रियों के ऊपर अत्याचार है। रेलवे को यदि मेंटेनेंस करना था, तो इसके लिये काम की समय सारणी का ऐसा प्रबंध किया जाना चाहिए,जिससे यात्री सुविधायें बाधित न हो। घेराव प्रदर्शन में राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष आरएन वर्मा, दुर्ग महापौर धीरज बाकलीवाल, जिला कांग्रेस अध्यक्ष गया पटेल,भिलाई जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर, प्रवक्ता नासिर खोखर, राजकुमार नारायणी,राजेश शर्मा व अन्य कांग्रेसी शामिल हुए।

नव पदोन्नत मुख्य महाप्रबंधकों को निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता द्वारा सौंपे गए पदोन्नति आदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई।सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के 15 अधिकारगण, मुख्य महाप्रबंधक के रूप में पदोन्नत किये गए। पदोन्नति का यह आदेश 30 जून 2023 से लागू किया गया है। इसके लिए पदोन्नति आदेश सौंपने हेतु 03 अगस्त, 2024 को इस्पात भवन के डीआईसी कॉन्फ्रेंस हॉल में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 13 नव पदोन्नत मुख्य महाप्रबंधकों को निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता द्वारा पदोन्नति आदेश सौंपे गए। इस आयोजन में किसी कारणवश 2 मुख्य महाप्रबंधक अनुपस्थित रहे।

इस अवसर पर संयंत्र के कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) अंजनी कुमार, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) एस मुखोपाध्याय, कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) अजय कुमार चक्रबर्ती, कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) डॉ अशोक कुमार पंडा, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक बी के गिरी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ एम रविन्द्रनाथ, ऑफिसर्स एसोशियेशन के अध्यक्ष एवं सेफी के चेयरमैन एन के बंछोर और महासचिव (ओए) श्री परविंदर उपस्थित थे। ऑनलाइन माध्यम से जुड़े सेल के अध्यक्ष, अमरेंदु प्रकाश ने नव पदोन्नत मुख्य महाप्रबंधकों को वर्चुअली संबोधित किया और उन्हें उनके नए अधिग्रहीत पदों के लिए बधाई एवं शुभकामनायें दी। निदेशक प्रभारी (सेल–बीएसपी) अनिर्बान दासगुप्ता ने कहा, कि योग्य उम्मीदवारों में से नए मुख्य महाप्रबंधकों का चयन करना एक कठिन निर्णय था।

उन्होंने कहा कि मैं आप सभी को बधाई देता हूं और आपसे अपने क्षेत्र को एक व्यावसायिक इकाई के रूप में मानते हुए, राजस्व उत्पन्न करने के नए तरीके खोजने और सुरक्षा प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह करता हूं। उन्होंने कहा, अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने से आपको अपने भविष्य के लिए बहुत मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि आप सभी और सिस्टर इकाईयों से स्थानांतरित मुख्य महाप्रबंधक, सेल को एक नयी दिशा देते हुए उसे बेहतर स्थान बनाएंगे।

मुख्य महाप्रबंधक के रूप में पदोन्नत हुए बीएसपी के इन 15 अधिकारियों को नया कार्यभार सौंपा गया। इन 15 अधिकारियों में शामिल राजेश धर्मराज गायकवाड़ को महाप्रबंधक से मुख्य महाप्रबंधक, नागराजन कांत को महाप्रबंधक से मुख्य महाप्रबंधक , मनोज कुमार को महाप्रबंधक से मुख्य महाप्रबंधक बीएसएल, चिंतला कांत को महाप्रबंधक से मुख्य महाप्रबंधक , अयन कुमार मिश्रा को महाप्रबंधक से मुख्य महाप्रबंधक बीएसपी, राहुल वास्तव को महाप्रबंधक प्रभारी से मुख्य महाप्रबंधक, प्रमोद कुमार को महाप्रबंधक से मुख्य महाप्रबंधक , योगेश शास्त्री को महाप्रबंधक प्रभारी से मुख्य महाप्रबंधक उत्पल दत्ता को महाप्रबंधक प्रभारी से मुख्य महाप्रबंधक , पीवीवीएस मूर्ति को महाप्रबंधक से मुख्य महाप्रबंधक , रवि शंकर को महाप्रबंधक से मुख्य महाप्रबंधक, इंद्रजीत सेनगुप्ता को महाप्रबंधक प्रभारी से मुख्य महाप्रबंधक, समीर गुप्ता को महाप्रबंधक प्रभारी से मुख्य महाप्रबंधक , यतेंद्र कुमार को महाप्रबंधक से मुख्य महाप्रबंधक तथा डॉ सौरव मुखर्जी को एडिशनल सीएमओ से सीएमओ के रूप में पदोन्नत किया गया है। पदोन्नति आदेश सौंपने हेतु आयोजित कार्यक्रम में रवि शंकर और राहुल वास्तव किसी कारणवश अनुपस्थित रहे।सेल के अन्य इकाइयों से 3 महाप्रबंधकगण भिलाई इस्पात संयंत्र में मुख्य महाप्रबंधक के रूप में शामिल होंगें। इसके अंतर्गत, आईएसपी से प्रमोद कुमार चोखानी को मुख्य महाप्रबंधक , आरएसपी से देबदत्त सतपथी को मुख्य महाप्रबंधक तथा आईएसपी से प्रोसेनजीत दास को मुख्य महाप्रबंधक के रूप में पदोन्नत किया गया है।

ईएमएमएस सेक्टर-10 में चिकित्सा शिविर का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा, 01 अगस्त 2024 को सेक्टर–10 स्थित इंग्लिश मीडियम मिडिल स्कूल में 'मिशन लक्ष्मी' के तहत एक व्यापक स्वास्थ्य शैक्षणिक कार्यक्रम और नि:शुल्क स्त्री रोग निदान शिविर का आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर का आयोजन जवाहरलाल नेहरू अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र की चिकित्सा टीम द्वारा, भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर विभाग और शिक्षा विभाग के सहयोग से किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ एम रविन्द्रनाथ ने किया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवांयें) डॉ कौशलेन्द्र ठाकुर, महाप्रबंधक शिवराजन नायर, महाप्रबंधक श्रीमती शिखा दुबे, स्कूल प्रिंसिपल सुमिता सरकार तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारीगण सहित बड़ी संख्या में स्कूली छात्र उपस्थित थे।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ एम रविन्द्रनाथ ने अपने संबोधन में, राष्ट्र के विकास में महिलाओं के स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि स्वस्थ रहने का प्रयास बचपन से ही शुरू किया जाना चाहिए। डॉ. रविन्द्रनाथ ने छात्राओं से इस शिविर का सर्वोत्तम लाभ लेने और चिकित्सा शिविर में विशेषज्ञों से स्वस्थ जीवन की बारीकियों को सीखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, कि स्वस्थ आदतें स्वस्थ और खुशहाल जीवन की ओर ले जाती हैं। डॉ. कौशलेन्द्र ठाकुर ने, छात्राओं से आग्रह किया कि वे अपनी स्वास्थ्य आवश्यकताओं को समझने के लिए जीवनोपयोगी ज्ञान से समृद्ध हों और आवश्यकता पड़ने पर बीएसपी से चिकित्सा सहायता भी प्राप्त करें। अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का तुरंत समाधान करें और स्वस्थ जीवन प्राप्त करने के लिए ईमानदारी से प्रयास करें। इस कार्यक्रम में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्त्री रोग और किशोरावस्था स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर प्रश्न पूछे, जिनका परामर्शदाताओं द्वारा समाधान किया गया। एसीएमओ (एम एंड एचएस) डॉ. रोशन हुसैन ने मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता के बारे में जानकारी साझा की। (शिशु रोग विशेषज्ञ– जेएलएनएच एंड आरसी) डॉ. शुभस्मिता ने छात्राओं के साथ चर्चा के दौरान किशोरावस्था और उससे जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की।

घर-घर गूंजा हर-हर महादेव : हजारों श्रद्धालुओं ने अपने-अपने घरों में किया रुद्राभिषेक

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भगवान शिव के अति प्रिय सावन माह में भक्ति भाव का सिलसिला निरंतर जारी है, जहां भक्त अपने भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए अलग–अलग तरीकों से आराधना करते नजर आ रहे हैं। वहीं कथावाचक प्रदीप मिश्रा के आह्वान पर घरों में रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। सावन माह में भगवान शिव की पूजा अर्चना का विशेष महत्व होता है, तो वहीं सावन माह में आने वाली महाशिवरात्रि पर इस बार कई संयोग बने। यही कारण रहा कि क्षेत्र के हजारों भक्तों ने घरों में रुद्राभिषेक किया। कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के आह्वान पर हुए रुद्राभिषेक को लेकर भक्तों में काफी उत्साह नजर आ रहा था। भक्त इस धार्मिक अनुष्ठान को करने के लिए उत्सुक दिखाई दे रहे थे। शाम 7 बजे शुरू हुआ यह रुद्राभिषेक 8 बजे तक चला।

इस दौरान लोगों ने टीवी और मोबाइल के माध्यम से पूजन देखकर अपने–अपने घरों में रुद्राभिषेक किया। यह पहला ऐसा मौका था, जब इतनी बड़ी संख्या में एक साथ लोगों ने अपने–अपने पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर घरों में किसी धार्मिक अनुष्ठान किया। इस धार्मिक अनुष्ठान को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह नजर आ रहा था।

पूर्व तैयारी एवं तत्परता से जल भराव नहीं हुआ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। मानसूनी बारिश एक हफ्ते से लगातार हो रही है। पिछले रात दिन से अधिक पानी गिर रहा है। आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशानुसार सभी जोन कमिश्नर, कार्यपालन अभियंता, राजस्व अधिकारी, स्वास्थ्य अधिकारी, अपने–अपने क्षेत्र में अलर्ट थे ।

जहां से भी शिकायत मिली उसका निवारण तुरंत किया गया। आज प्रमुख रूप से अंजोरा रिंग रोड को क्रॉस कर दुर्ग निगम के कातुलबोर्ड से भिलाई के दीनदयाल कॉलोनी जूनवानी रोड पर घुस रहे पानी को मिट्टी के बाध बनाकर रोका गया। वार्ड क्रमांक 21 हाउसिंग बोर्ड कोहका भगवा चौक के पास जल भराव का जल निकासी किया करवाया गया। वार्ड

क्रमांक दो स्मृति नगर में जल भरा हो गया था नाली को खुदवा कर पानी को निकासी करवाया गया। आकाशगंगा अंडर ब्रिज के पास पानी को पंप से बाहर निकलवाया गया। ईदू आईटी नाला के पास पानी भर रहा था उसे साफकर कर ठीक किया गया। वार्ड क्रमांक 23 खदान पारा नहर को साफ किया गया। बैंक कॉलोनी सड़क नंबर 10 11 के बीच में पानी भर गया था पानी नहीं निकल रहा था उसे नाली बनकर निकल गया। इस प्रकार प्राप्त शिकायतों से त्वरित निराकरण करने से कहीं भी जल भराव नहीं हुआ है। नगर निगम भिलाई द्वारा पूर्व से ही प्रत्येक जोन में दो दो डीजल पंप खरीद कर रखा गया था जैसे ही कहीं पानी भराव के शिकायत मिली पंप लगाकर पानी निकल गया। निगम भिलाई क्षेत्र की स्थिति सब जगह सामान्य है ।कुछ निचली बस्तियों में बस्तियों में आधे घंटे का पानी था कच्ची नाली बनाकर एवं पंप से पानी निकाल कर साफ कर दिया गया । जहां भी नाल एवं नाली मे कचरा जाम हो गया था। साफकर दिया गया पानी धीरे–धीरे निकल गया। महापौर नीरज पाल ने नगर निगम भिलाई क्षेत्र के नागरिकों से अपील की है कि जल भराव संबंधी समस्या होने पर नगर निगम भिलाई के बाढ़ नियंत्रण कंट्रोल रूम 0788 229 4303 मैं कॉल करके सूचित करें संबंधी समस्या का निराकरण शीघ्र किया जाएगा ।

सर्विसेस जोन में शिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई।बीएसपी के सर्विसेस जोन के अंतर्गत आने वाले विभागों के उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित करने हेतु कर्म एवं पाली शिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी पी के सरकार उपस्थित थे।

समारोह में अप्रैल 2024 के लिए एमआरडी विभाग के अप्पा राव, टी एडं डी विभाग केजय कुमार व गोविंद तथा मई 2024 के लिए आरएमडी के आर एस साहू, टी एडं डी विभाग के संदीप कुमार व महेश गंगवानी को कर्म शिरोमणि पुरस्कार का प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह एवं उनके जीवन साथी हेतु प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी पी के सरकार ने पुरस्कृत कर्मिकों की सुरक्षित कार्य संस्कृति की प्रशंसा करते हुए कहा कि आगे भी सभी विजेता इसी तरह उत्कृष्ट कार्य करते रहेंगे तथा अपने सहकर्मियों को श्रेष्ठ कार्य प्रदर्शन करने हेतु प्रोत्साहित करेंगे। यह पुरस्कार सुरक्षा एवं अनुशासन को ध्यान में रखते हुए उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को प्रदान किया जाता है।

कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक तुषार कांत, महाप्रबंधक प्रभारी इंद्रजीत सेनगुप्ता, महाप्रबंधक मनोज प्रसाद, महाप्रबंधक आलोक माथुर, महाप्रबंधक एस. एन गजभिए, महाप्रबंधक आर के सिंह, महाप्रबंधक जितेंद्र कुमार, महाप्रबंधक रंजन भारती एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न विभागों के अनुभाग प्रमुखों ने पुरस्कार विजेताओं की कार्यशैली एवं सुरक्षा के प्रति जागरूकता की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी एवं भविष्य में सुरक्षा एवं टीमवर्क के साथ कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का संचालन कनिष्ठ अधिकारी (एचआरं) डॉ उपेंद्र कुमार शर्मा ने किया एवं सहायक महाप्रबंधक जया रॉय ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अफ्जल खान, टिकेश्वरी, सुश्री प्रिया ठाकुर, श्रीमती सोमा रानी एवं अंजोर सिंह तथा सर्विसेस जोन के सदस्यों ने विशेष योगदान दिया।

शहर में कहीं भी न हो पेयजल एवं सीवर की समस्या

शंकर नगर के नई लाइनों को 20 दिनों के भीतर शुरू करने के निर्देश दिए

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम के डाटा सेंटर में विधायक गजेंद्र यादव एवं महापौर धीरज बाकलीवाल द्वारा आयुक्त लोकेश चन्द्राकर समेत अधिकारी/कर्मचारियो के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई ।समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए. शहर की जनता को पर्याप्त मात्रा में पानी मिले. पानी शुध्दता पर ध्यान देना अतिआवश्यक है।

उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कहा कि सार्वजनिक एवं घरेलु नल कनेक्शन में वाल्ब लगावें.पानी नहीं आने की ज्यादा शिकायत शंकर नगर एवं पटरीपार क्षेत्रों में है. जिसे सुधारा जाना अतिआवश्यक है. विधायक गजेंद्र यादव एवं महापौर धीरज बाकलीवाल द्वारा कहा गया कि शहरी क्षेत्रो के अंदर बीस दिनों के भीतर जिन जिन क्षेत्रों में समस्या है उसका निराकरण करें. शहर में 21 टंकियों का निर्माण किया गया है. जिनमें सभी टंकियों को चालू किया गया है परंतु सभी टंकियां के पुरानी लाइनों को बंद नहीं किया गया है जिन्हें शीघ्र बंद कर नई लाइनों में पानी का सप्लाई करने के आदेश दिए गए हैं । बैठक में बताया गया कि पुराने एवं नए पाइप लाइन से पानी की सप्लाई की जा रही है, जिसके कारण कई जगह पानी के प्रेशर में कमी आती है ।.सभी गलियों को पाइप लाइन से जोड़ने की योजना शीघ्र अतिशीघ्र बनाये ताकि पर्याप्त मात्रा में पानी की सप्लाई हो सके ।समीक्षा बैठक के दौरान सभापति राजेश यादव,जल कार्य प्रभारी संजय कोहले,शंकर ठाकुर, उपनेता प्रतिपक्ष देवनारायण चंद्राकर, प्रकाश जोशी,काशी राम कोसरे, शेखर चंद्राकर,कार्यपालन अभियंता दिनेश नेताम,सहायक अभियंता गिरीश दिवानं,राजस्व अधिकारी दुर्गेश गुप्ता,उपअभियंता मोहित मरकाम,जलकार्य निरीक्षक नारायण ठाकुर उपस्थित थे.शहर में कहीं भी पेयजल की समस्या न हो तथा नलकूप की मोटर खराब होने पर समय सीमा में आवश्यक रूप से ठीक की जाए यह संबंधित अधिकारी सुनिश्चित करें। इसके साथ ही सीवर से संबंधित शिकायत मिलने पर त्वरित निराकरण किया जाए ।जिसमें पार्षदों ने अपने–अपने क्षेत्र की पेयजल एवं सीवर से संबंधित समस्या से विधायक गजेंद्र यादव एवं महापौर धीरज बाकलीवाल,आयुक्त लोकेश चन्द्राकर एवं संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया। आमजन को पर्याप्त पेयजल नहीं मिल पा रहा है ।जिस पर विधायक एवं महापौर ने सभी समस्याओं को सुनकर सभी अधिकारियों को बैठक में आई समस्याओं का निराकरण शीघ्र करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि 15 वे वित्त से कहां कहां पेयजल एवं सीवर लाइन डाली गई हैं ।नगर निगम द्वारा अपील कर कहा गया है कि सभी नागरिक अपने घरों के नल कनेक्शन में वाल्ब लगावें. पानी व्यर्थ बहते पाए जाने पर कार्रवाही की जावेगी।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

बच्चों के भविष्य की राहें होगी आसान-मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आरंग में छात्रावास भवन के लोकार्पण अवसर पर मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के तहत हितग्राहियों को राशि का वितरण किया। इस मौके पर अनुसूचित जाति एवं जनजाति विकास मंत्री रामविचार नेताम व विधायक खुशवंत साहेब, कमिश्नर महादेव कावरे, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह भी उपस्थित थे।

आरंग के जरौद गांव निवासी राम बाई साहू के पति मन्नु साहू की मृत्यु हो गई थी। वे पंजीकृत निर्माण श्रमिक थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने उनकी मृत्यु के बाद पत्नी राम बाई साहू को मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के तहत एक लाख रुपए वितरित किया। वे कहती है कि इस राशि का उपयोग वे बच्चों के आगे की पढ़ाई में करेगी। इससे बच्चों का भविष्य बेहतर हो सके।

शीतला पारा निवासी केशव निषाद ने 10 वीं की पढ़ाई करते है। उनके पिता श्रम विभाग में पंजीकृत श्रमिक थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के तहत एक लाख रूपए राशि का वितरण किया। केशव निषाद ने बताया कि यह राशि आगे की पढ़ाई के लिए काफी मददगार होगी। यह राशि मेरे लिए काफी फायदेमंद है।

अंडर ब्रिज लबालब, राजधानी के हजारों नागरिक हो रहे परेशान

रायपुर। प्रदेश की राजधानी में लगातार हो रही अच्छी बारिश के चलते कई इलाके जल मग्न हो गए हैं। ऐसे में रायपुर के कई इलाकों में पानी भर गया है। जलभराव के चलते स्थानीय लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रायुपर के गुढ़ियारी में रेलवे ओवर ब्रिज के नीचे दो फीट से ऊपर पानी भर गया है। जिससे लोगों को आवाजाही में परेशानी हो रही है। वहीं प्रोफेसर कॉलोनी सहित शहर के की इलाकों में जलभराव की समस्या देखने को मिल रही है। बरसात के कारण नालियों का पानी सड़कों पर आ गया है। स्थानीय लोग गंदे पानी से भरे सड़क से होकर गुजरने के लिए मजबूर हो गए है। मौसम विभाग ने शनिवार को भी रायपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में अच्छी बारिश की संभावना जताई है। ऐसे में इन इलाकों में जलभराव की स्थिती बने रहने से लोगों की समस्याएं भी बढ़ सकती है। गंदे पानी के बीच से होकर गुजरने से लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ सकता है।

मंत्री ओ.पी चौधरी ने नगर तथा ग्राम निवेश विभाग की समीक्षा की

अब आसानी से मिल सकेगी भवन अनुज्ञा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ. पी चौधरी ने यहां न्यू सर्किट हाउस सिविल लाइन में नगर तथा ग्राम निवेश विभाग की समीक्षा की, जिसमें राज्य के सभी क्षेत्रीय कार्यालयों के अधिकारी उपस्थित हुए।

मंत्री श्री चौधरी ने विभागीय समीक्षा बैठक में आवासीय कालोनियों के विकास अनुज्ञा, नियमितिकरण, विकास योजना तथा भवन निर्माण अनुज्ञा में सरलीकरण हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने ऑनलाइन प्रक्रिया में आ रही कठिनाइयों के संबंध में विस्तार से चर्चा की तथा उक्त समस्या को देखते हुए साफ्टवेयर में सरलीकरण करते हुए समस्त कार्यालय प्रमुखों को प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने निर्देशित किया।

मंत्री श्री चौधरी द्वारा नए जिलों में कार्यालयों की स्थापना एवं कर्मचारियों के पद सरंचना के पुन:निर्धारण पर भी चर्चा की गई। साथ ही राज्य के प्रमुख जिले रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, राजनांदगाँव जैसे बड़े शहरों में कर्मचारियों-अधिकारियों के पद सरंचना में वृद्धि करने पर भी जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की उचित व्यवस्था से आमजनों के प्रकरणों का निराकरण सुगमता से समय-सीमा पर किया जा सकता है।

मंत्री श्री चौधरी ने संचालक सौरभ कुमार को निर्देशित किया कि समस्त अधिकारी-कर्मचारी निर्धारित समय में कार्यालय में उपस्थित रहकर आमजनों के प्रकरणों का निराकरण करें। कार्यो में पारदर्शिता एवं तत्परता दिखनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मिलने के समय का निर्धारण कर इसकी सूचना कार्यालय के सूचना पटल पर अवश्य लगाए।

इस अवसर पर आवास एवं पर्यावरण की सचिव श्रीमती आर. संगीता, नगर तथा ग्राम निवेश विभाग के संचालक सौरभ कुमार, अपर संचालक संदीप बांगड़े सहित समस्त क्षेत्रीय कार्यालयों के प्रमुख अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

बालिकाओं की शिक्षा के बगैर महिला सशक्तिकरण अधूरा : बृजमोहन अग्रवाल

सांसद अग्रवाल ने दुधाधारी बजरंग कन्या महाविद्यालय को 5 करोड़ देने की घोषणा की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बालिकाओं की शिक्षा के बगैर महिला सशक्तिकरण की बात अधूरी रहती है। शिक्षा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाती है और उन्हें अपने अधिकारों के लिए खड़े होने की शक्ति देती है। यह बात रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने शासकीय दुधाधारी बजरंग कन्या महाविद्यालय के दीक्षारंभ समारोह में कही।

बृजमोहन अग्रवाल ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया जिसके बाद सरस्वती वंदना के साथ नव प्रवेशी छात्राओं का स्वागत किया गया। बृजमोहन अग्रवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि, कॉलेज विद्यार्थी जीवन की एक नई शुरुवात होती है। यहां से हमें जीवन की दिशा और दशा तय करने का मौका मिलता है। हमको जीवन में एक गोल बना कर उस को हासिल करने के लिए प्रयास करने पड़ेंगे। किसी को ढ्रस, क्ष्टस, बैंकिंग, आर्मी में जाना है तो किसी का कोई अलग प्लान होगा जिसको ध्यान रखकर कार्य करना होगा। विपरीत परिस्थितियों में भी हमको हार नहीं माननी चाहिए। इच्छाशक्ति, कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के जरिए हम कठिन से कठिन मंजिल भी हासिल कर सकते हैं।

बृजमोहन अग्रवाल ने यह भी कहा कि, अब छत्तीसगढ़ समेत देश भर में शिक्षा नीति लागू हो गई है। जिसमें सेमेस्टर प्रणाली के तहत साल में दो बार परीक्षा आयोजित की जाएगी। एक बार खराब प्रदर्शन होने पर आप दूसरे सेमेस्टर में गलतियों को सुधारने का अवसर मिलेगा। इतना ही नहीं अब छात्र रुचि के अनुसार विषयों का चयन कर सकते हैं। आर्ट्स में पढ़ने वाला छात्र साइंस और आईटी की पढ़ाई भी कर सकता है। नई शिक्षा नीति का उद्देश्य अपनी शिक्षा व्यवस्था को विश्व स्तरीय बनाना है।

बृजमोहन अग्रवाल ने पीएम-उषा योजना के तहत महाविद्यालय को 5 करोड़ रुपए दिलाने की घोषणा की है। कार्यक्रम में उपस्थित नगर निगम नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे को जनभागीदारी समिति का अध्यक्ष भी नियुक्त किया गया। पार्षद सीमा कंदोई, प्राचार्य डॉ किरन गजपाल समेत छात्राएं उपस्थित रही।

जन शिकायत शिविर में आवेदनों का मौके पर हो रहा निराकरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के निर्देश पर प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में जन शिकायत निवारण पखवाड़ा आयोजित हो रहा है। रायपुर नगर निगम क्षेत्र में नागरिकों की शहरी सुविधाओं से संबंधित शिकायतों को दूर करने शिविर आयोजित हो रहे है। शिविर में अब तक 15003 हजार आवेदन प्राप्त हुए है, जिनमें से 85 फीसदी आवेदन निराकृत किए जा चुके है। शिविर में मांग संबंधी आवेदनों पर भी नगर निगम कार्यवाही कर रहा है एवं संबंधित विभागों को परीक्षण हेतु भेजकर उनसे शीघ्र अभिमत देने कहा गया है। नगर निगम कमिश्नर अबिनाश मिश्रा के अनुसार शिविरों के जरिए सुविधाओं का लाभ उठाने नागरिक हर शिविरों में बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। शिविरों में ज्यादातर राशन कार्ड नवीनीकरण, आधार कार्ड सुधार, आय प्रमाण पत्र, श्रम पंजीयन, आयुष्मान कार्ड के आवेदन प्राप्त हुए है। जोन वार आयोजित शिविरों में इन आवेदनों का तत्काल निराकरण कर आवेदकों की सहायता की जा रही है। उन्होंने बताया कि वार्ड वार प्रात: 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक शिविरों का आयोजन 10 अगस्त तक होगा।

शिविर के 8वें दिन जोन 1 में गोगांव स्कूल, जोन 6 में संजय यादव स्कूल टिकरापारा, जोन 7 में कुकुरबेड़ा सामुदायिक भवन एवं जोन 8 में मंगल भवन कोटा में शिविर आयोजित किए गए। शिविर में कुल 740 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 726 मांग संबंधी आवेदन रहें। इन आवेदनों में से 561 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया है एवं शेष आवेदनों को अग्रिम कार्यवाही हेतु अग्रेषित किया गया है।

रविवार को जोन 1 के सियान सदन गुढ़ियारी, जोन 5 के चंगोराभाठा सांस्कृतिक भवन, जोन 6 में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी भवन, मठ पुरैना पानी टंकी के पास एवं जोन 10 में कंदकोट सिंधी धरमशाला, आदर्श नगर में शिविर का आयोजन प्रात: 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक होगा।

नगर निगम ने सुरक्षा की दृष्टि से ढहाई जर्जर पानी टंकी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिला कलेक्टर डॉक्टर गौरव कुमार सिंह के निर्देशानुसार एवं नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार नगर निगम जोन नम्बर 9 की टीम द्वारा जोन कमिश्नर संतोष पाण्डेय के नेतृत्व एवं कार्यपालन अभियंता केके शर्मा, पद्माकर श्रीवास, सहायक अभियंता अंशुल शर्मा, प्रवीण साहू उप अभियंता अतुल बंसल की उपस्थिति में ड्रिलिंग एंड ब्लास्टिंग इंजिनियर के माध्यम से उनके निर्देशन में जोन 9 क्षेत्र के तहत कचना हाईस्कूल परिसर की अत्यंत जर्जर, खतरनाक हो चुकी अनुपयोगी पानी टंकी को लगभग 2 किलो बारूद (डायनामाइट) का उपयोग कर ढहाने की कार्यवाही हाईस्कूल के बच्चों, शिक्षक-शिक्षिकाओं, स्टॉफसहित नागरिकों की जीवन सुरक्षा की दृष्टि से की गयी। स्कूल परिसर में अत्यंत जर्जर एवं खतरनाक पानी टंकी होने से अप्रिय घटना की आशंका बनी हुई थी। स्कूल प्रबंधन के अनुरोध पर रायपुर जिला कलेक्टर के आदेशानुसार और नगर निगम आयुक्त के निर्देशानुसार नगर निगम जोन 9 की टीम ने ड्रिलिंग एंड ब्लास्टिंग इंजिनियर के माध्यम से कचना हाईस्कूल परिसर की अत्यंत जर्जर, खतरनाक अनुपयोगी हो चुकी पानी टंकी को बारूद के उपयोग से जनजीवन सुरक्षा की दृष्टि से ढहा दिया गया।

कुलपति बल्देव शर्मा फ्रेंड्स ऑफ पब्लिशर्स अवार्ड से हुए सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। फैडरेशन ऑफ इंडियन पब्लिशर्स के नई दिल्ली में आयोजित एक दिवसीय सम्मेलन में केंद्रीय सड़क परिवहन, राजमार्ग और कॉरपोरेट अफेयर्स राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बल्देव भाई शर्मा को फ्रेंड्स ऑफ पब्लिशर्स अवार्ड प्रदान किया।

इस समारोह में बड़ी संख्या में देश भर से अंग्रेजी, हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं के प्रमुख प्रकाशक सम्मिलित हुए। सम्मेलन में कई सत्रों में पुस्तक प्रकाशन से जुड़े कॉपीराइट, रॉयल्टी, पठन संस्कृति का विकास, इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और पायरेसी सहित अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहन विमर्श हुआ।

उल्लेखनीय है कि प्रो. शर्मा द्वारा नेशनल बुक ट्रस्ट इंडिया के अध्यक्ष रहते पुस्तक प्रकाशन और पुस्तक संस्कृति के विकास में महत्वपूर्ण योगदान के लिए उन्हें सम्मानित किया गया। प्रो. शर्मा को फ्रेंड्स ऑफ पब्लिशर्स आवर्ड से सम्मानित होने पर देश के पत्रकारिता और शिक्षा से जुड़े लोगों द्वारा उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

अवकाश दिवस में भी क्षेत्रीय भंडार खुले रहें

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं ऊर्जा सचिव पी .दयानन्द के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक भीमसिंह कंवर ने क्षेत्रीय अधिकारीगण की वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक ली और अनेक महत्वपूर्ण निर्देश दिए। भीमसिंह ने आज कार्यपालक निदेशकों,मुख्य अभियंताओं,अधीक्षण अभियंताओं,कार्यपालन अभियन्ताओं से चर्चा कर उनके क्षेत्र में विद्युत प्रदाय की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम को देखते हुये मैदानी अधिकारियों को अतिरिक्त सतर्कता रखनी चाहिये। सभी को मुख्यालय में रहने के निर्देश का कड़ाई से पालन करना चाहिए और तात्कालिक समस्याओं का निराकरण त्वरित रूप से करना चाहिये। बिना अनुमति मुख्यालय छोड़ने वाले अधिकारियों पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जायेगी । भीम सिंह ने निर्देश दिये हैं मरम्मत कार्य में संसाधनों की कमी नहीं रहनी चाहिये।

अक्षय कुमार की फिल्म का ट्रेलर हुआ रिलीज, दोस्तों के फोन में छिपे राज से उठेगा पर्दा

पिछले काफी समय से अक्षय कुमार एक अदद हिट के लिए तरस रहे हैं। उनकी हाल-फिलहाल में आई फिल्म सरफिरा भी बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई और इसकी असफलता पर खुद अक्षय ने भी निराशा जाहिर की। हालांकि, फिल्म में अक्षय के अभिनय की दर्शकों के साथ-साथ समीक्षकों ने भी खूब तारीफ की थी। अब अक्षय फिल्म खेल खेल में लेकर आ रहे हैं, जिसका ट्रेलर रिलीज हो गया है।

खेल-खेल में ट्रेलर की शुरुआत अच्छी है। अक्षय के अलावा फिल्म में फरदीन खान, एमी विर्क, आदित्य सील, वाणी कपूर, तापसी पन्नू और

प्रज्ञा जायसवाल हैं, जो एक-दूसरे के दोस्त हैं।ऐसे दोस्त, जो मोबाइल में एक गेम खेलते हैं। ऐसा खेल, जिससे दोस्तों के बीच तालमेल और छिपे हुए राज सामने आते हैं। इसी खेल के आस-पास इन दोस्तों की जिंदगी और उनके निजी व पेशेवर रिश्तों को दिखाया गया है।फिल्म में कॉमेडी का तड़का लगाया गया है।

फिल्म में सबसे ज्यादा वाहवाही अक्षय लूट रहे हैं। अक्षय लंबे समय बाद कॉमेडी करते नजर आ रहे हैं और उनकी कॉमिक टाइमिंग देख दर्शक एक बार फिर उनके कायल हो गए हैं।एक यूजर ने लिखा, कॉमेडी किंग की वापसी। एक ने लिखा, असली मजा तो अब आएगी। एक ने लिखा, कॉमेडी के मामले में अक्षय का कोई तोड़ नहीं है।एक ने लिखा, बॉक्स ऑफिस पर अब 100 प्रतिशत धमाकेदार वापसी होगी अक्षय की।

खेल खेल में 15 अगस्त को सिनेमाघरों का रुख करेगी। हालांकि, इस दिन यह अकेले सिनेमाघरों में दस्तक नहीं दे रही है।फिल्म स्त्री का दूसरा भाग स्त्री 2 भी 15 अगस्त को सिनेमाघरों में आएगा। इसके अलावा जॉन अब्राहम की वेदा भी इसी दिन सिनेमाघरों में रिलीज होगी।दूसरी ओर एक्शन थ्रिलर पैन इंडिया फिल्म डबल इस्मार्ट भी काफी चर्चा में है। यह भी 15 अगस्त को सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटाएगी। संजय दत्त भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।

अक्षय की इस साल स्काई फोर्स और सिंघम अगेन भी रिलीज के लिए प्रस्तावित हैं। इन तीनों फिल्मों की शूटिंग पूरी हो चुकी है। हालांकि, पहले टिकट खिड़की पर परीक्षा खेल खेल में की होगी।इसके अलावा हेरा फेरी 3, वेलकम टू द जंगल समेत अक्षय की 6 और फिल्में दर्शकों के बीच आएंगी।उधर तापसी, प्रतीक गांधी के साथ फिल्म वो लड़की है कहां में नजर आएंगी। फिर आई हसीन दिलरुबा भी उनकी आगामी चर्चित फिल्मों में शुमार है।

KBC-16 में हुआ बड़ा बदलाव, बने करोड़पति तो डबल हो सकता है पैसा

अमिताभ बच्चन का शो 'कौन बनेगा करोड़पति' नए सीजन के साथ पर्दे पर लौटने को तैयार है। बिग बी ने शो की शूटिंग शुरू कर दी है और 12 अगस्त से 'कौन बनेगा करोड़पति' का नया सीजन टेलीकास्ट होने वाला है। शो को लेकर अब एक नई अपडेट सामने आ रही है जिससे फैंस के बीच काफी एक्साइटमेंट है। इस बार शो में हिस्सा लेने वाले कंटेस्टेंट्स की डबल लॉटरी लगने वाली है।

जी, हां आपने सही पढ़ा। इस बार केबीसी में हिस्सा लेने वाले कंटेस्टेंट्स को उनकी जीती हुई रकम डबल करने का मौका मिलेगा। शो में एक सुपर सवाल होगा जिससे कंटेस्टेंट्स को जीती हुई अमाउंट डबल करने का मौका मिलेगा, लेकिन इसमें एक जबरदस्त ट्विस्ट भी है। इस सवाल का जवाब देने के लिए कंटेस्टेंट्स को किसी भी तरह की कोई हेल्पलाइन नहीं मिलेगी, उन्हें अपने ज्ञान के दम पर ही सवाल का जवाब देना होगा।

कैसे कर सकते हैं 'दोगुनास्त्र' का प्रयोग

शो के 4 शुरुआती सवाल के बाद कंटेस्टेंट्स के सामने एक सुपर सवाल रखा जाएगा जिसका जवाब उन्हें बिना किसी हेल्पलाइन और ऑप्शन के देना होगा। अगर वो ऐसा करने में सफल रहते हैं, तो उन्हें 'दोगुनास्त्र' का प्रयोग करने का सुनहरा मौका मिलेगा।

ऐसे डबल होगी अमाउंट

'दोगुनास्त्र' का इस्तेमाल करके कंटेस्टेंट्स को छठे सवाल से दसवें सवाल तक के बीच में एक बार अमाउंट डबल करने का मौका मिलेगा। अब अगर कोई 10वें सवाल के लिए 'दोगुनास्त्र' का इस्तेमाल करता है, तो उस सवाल की रकम दोगुनी हो जाएगी, लेकिन ट्विस्ट है कि उन्हें बिनी किसी हेल्पलाइन के सवाल का जवाब देना होगा। 'दोगुनास्त्र' के शो में जुड़ने के बाद से दर्शकों का उत्साह काफी बढ़ गया है। इसी के साथ सालों से चले आ रहे इस शो को एक नया ट्विस्ट मिला है।

जूनियर एनटीआर-जाह्नवी कपूर की जबरदस्त केमिस्ट्री पोस्टर संग देवराः पार्ट 1 के दूसरे गाने का एलान

एनटीआर की पैन इंडियन फिल्म देवराः पार्ट 1 का पहला सिंगल, फियर सॉन्ग प्लेलिस्ट पर छा हुआ है। यह गाना लोगों के बीच काफी पॉपुलर हो गया है। इस गाने पर सिंगर अनिरुद्ध रविचंदर ने शानदार काम किया है। सिंगल की पॉपुलैरिटी को देखते हुए मेकर्स ने सेकेंड सिंगल का एलान किया है। इसके लिए उन्होंने सोशल मीडिया का सहारा लिया है।

जूनियर एनटीआर और जाह्नवी कपूर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर देवराः पार्ट 1 का नया पोस्टर शेयर किया है और फिल्म के सेकेंड सॉन्ग का एलान किया है। पोस्टर में जूनियर एनटीआर और जाह्नवी कपूर के बीच जबरदस्त केमिस्ट्री देखी जा सकती है। ऐसा लग रहा है कि यह गाना एक हरे-भरे जंगल में शूट किया गया है। इस पोस्टर से यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि आने वाला सेकेंड सॉन्ग रोमांटिक होगा।

फिल्म का नया पोस्टर साझा करते हुए जाह्नवी कपूर ने कैप्शन में गाने की रिलीज डेट के बारे में खुलासा किया है। उन्होंने समुद्र की लहर और लाल दिल वाले इमोजी के साथ कैप्शन में लिखा है, मोस्ट अवेटेड देवरा सेकेंड सिंगल 5 अगस्त को आ रहा है।

देवराः पार्ट 1 जाह्नवी कपूर की टॉलीवुड डेब्यू फिल्म है। फिल्म को डायरेक्ट कोराताला शिवा ने किया है। इस फिल्म में जूनियर एनटीआर डबल रोल में नजर आएंगे। उन्होंने फिल्म में पिता और पुत्र दोनों की भूमिका निभाई है। वहीं, बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान विलेन के किरदार में नजर आएंगे। देवराः पार्ट 1 27 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

श्रद्धा कूपर की स्त्री-2 का दूसरा गाना 'आई नहीं' जारी पवन सिंह की आवाज में लगा भोजपुरिया तड़का

भोजपुरी गानों का खुमार बॉलीवुड में भी कम नहीं है। कई बॉलीवुड सेलेब्स को भोजपुरी गानों की धुन पर नाचते हुए देखा गया है। अब मच अवेटेड फिल्म स्त्री 2 में भोजपुरी गाने का तड़का लगा है। अमर कौशिक निर्देशित स्त्री 2 में सिंगर पवन सिंह ने गाना गाया है, जो अब रिलीज हो गया है।

6 साल बाद स्त्री का सीक्वल बड़े पर्दे पर आग लगाने वाला है। फिल्म में श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की जोड़ी फिर से साथ में नजर आएगी। कुछ समय पहले ही स्त्री 2 का ट्रेलर जारी हुआ था। फिर फिल्म का आइटम नंबर आज की रात आउट हुआ था। तमन्ना भाटिया के कातिलाना डांस के बाद अब भोजपुरी गाने ने धमाल मचा दिया है।

दिनेश विजन निर्मित फिल्म स्त्री 2 का दूसरा गाना आई नहीं रिलीज हो गया है। गाना आउट होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव ने खेतों में तू आई नहीं गाने की एक-एक बीट पर अपने जलवे दिखाये हैं। गाने में पंकज त्रिपाठी के साथ अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना भी हैं। इस मजेदार गाने में कॉमेडी भी है और हॉरर भी। पंकज त्रिपाठी ने जगह-जगह कॉमेडी का तड़का लगाया है और आखिर में स्त्री का डरावना पल दिखा।

एक दिन के अंदर स्त्री 2 के इस गाने को मिलियन व्यूज मिल गये हैं। खबर लिखे जाने तक स्त्री 2 के गाने आई नहीं को यूट्यूब पर 5.3 मिलियन लोगों ने सुन लिया है। गाने को भोजपुरी सिंह पवन सिंह ने सिमरन चौधरी, दिव्या कुमार के साथ मिलकर गाया है। म्यूजिक कंपोजर सचिन और जिगर हैं। गाने की लिरिक्स अमिताभ भट्टाचार्या ने लिखी हैं।

इस बार चंदेरी में स्त्री नहीं बल्कि सरकटे का आतंक होगा।

ट्रेलर में दिखाया गया था कि चंदेरी अब सिरकटे के आतंक से खुद को बचाएगी। फिल्म में श्रद्धा कपूर, राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना लीड रोल में हैं। यह हॉरर-कॉमेडी 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मैं गर्व से खुद को पहाड़न कहती हूंः रुबीना दिलैक

अभिनेत्री रुबीना दिलैक ने कहा कि वह गर्व से खुद को पहाड़न कहती हैं और उन्हें अपनी परंपराओं पर नाज है। शिमला की रहने वाली रुबीना ने इंस्टाग्राम पर अपने गृहनगर में हुई एक शादी की तस्वीरें शेयर कर पहाड़ी परंपरा से जुड़ाव की कहानी साझा की। तस्वीरों में उन्हें अपने परिवार के साथ पारंपरिक हिमाचली डांस करते हुए देखा जा सकता है।

अपनी जड़ों पर गर्व करते हुए रुबीना ने लिखा, मेरा हमेशा अपनी परंपरा और संस्कृति से जुड़ाव रहा है, और मैं गर्व से खुद को पहाड़न कहती हूं।

अभिनेत्री ने पारिवारिक समारोह से कुछ क्लोज-अप तस्वीरें भी शेयर कीं। इसके लिए रुबीना ने कैप्शन में लिखा, जुलाई में शादी। रुबीना ने अभिनेता अभिनव शुक्ला से शादी की है। 34 वर्षीय अभिनेत्री दो बच्चों की मां हैं। उन्होंने ब्यूटी कॉन्टेस्ट से ग्लैमर की दुनिया में अपनी यात्रा शुरू की। वह दो स्थानीय ब्यूटी कॉन्टेस्ट भी जीत चुकीं हैं। उन्होंने 2006 में मिस शिमला का खिताब अपने नाम किया था। रुबीना ने टीवी में छोटी बहू से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की, जो उनके लिए एक सफल शो साबित हुआ। इसके बाद वह सास बिना ससुराल, पुनर्विवाह - एक नई उम्मीद, देवों के देव...महादेव और जीनी और जूजू जैसे शो में काम करती हुई नजर आईं।

छोटी बहू के बाद उनका दूसरा सबसे हिट शो शक्ति अस्तित्व के एहसास की रहा। इसमें उन्होंने विवियन डीसेना के साथ एक ट्रांस महिला का किरदार निभाया था। अभिनेत्री ने बिग बॉस के 14वें सीजन में भाग लिया जहां वह विजेता बनकर उभरीं। रुबीना ने फियर फैक्टरः खतरों के खिलाड़ी के 12वें सीजन और झलक दिखला जा 10 में भी हिस्सा लिया। 2022 में उन्होंने अर्ध से अपनी फिल्मी यात्रा शुरू की, जिसमें राजपाल यादव और हितेन तेजवानी जैसे मंझे कलाकार उनके साथ थे।

खूबसूरती बढ़ाने के लिए करवा रही हैं वैम्पायर फेशियल? जान लीजिए इससे जुड़ी सभी बातें

बॉलीवुड और हॉलीवुड की कई मशहूर अभिनेत्रियां इन दिनों अपनी त्वचा को जवान बनाए रखने के लिए वैम्पायर फेशियल करवा रही हैं। यह सुनने में अजीब लगता है, लेकिन इसके जरिए बढ़ती उम्र के लक्षणों को कम किया जा सकता है। इस फेशियल में त्वचा की देखभाल के लिए खून का इस्तेमाल किया जाता है। इसके कई चमत्कारी फायदे होते हैं, लेकिन इसके कुछ हानिकारक प्रभाव भी हो सकते हैं। आइए वैम्पायर फेशियल के विषय में विस्तार से जानते हैं।

क्या होता है वैम्पायर फेशियल?

वैम्पायर फेशियल को पीआरपी फेशियल भी कहा जाता है। यह एक कॉस्मेटिक प्रक्रिया है, जिसमें ग्राहक के शरीर से थोड़ी मात्रा में रक्त निकाला जाता है।इसके बाद इसमें से प्लेटलेट-समृद्ध प्लाज्मा निकालने के लिए इसे संसाधित किया जाता है। अब शरीर के एक हिस्से से निकाले गए इस खून को चेहरे पर इंजेक्ट किया जाता है।इंजेक्शन की सुइयां त्वचा में छोटे-छोटे छेद करती हैं, जिससे त्वचा नए कोलेजन और इलास्टिन के साथ खुद को स्वस्थ बनाती है।

वैम्पायर फेशियल के जरिए मिलते हैं ये मुख्य फायदे

वैम्पायर फेशियल कोलेजन उत्पादन को उत्तेजित करता है, जो त्वचा की बनावट और टोन में सुधार कर सकता है। इस प्रक्रिया के जरिए चेहरे पर दिखने वाली महीन रेखाएं और झुर्रियां ठीक हो जाती हैं।जिन लोगों को मुंहासों की समस्या होती है, उन्हें वैम्पायर फेशियल के जरिए मदद मिल सकती है। यह फेशियल ग्राहक के खून से होता है, इसलिए इसे एलर्जी प्रतिक्रियाओं के न्यूनतम जोखिम के साथ एक प्राकृतिक उपचार माना जाता है।

वैम्पायर फेशियल से हो सकते हैं ये नुकसान

वैम्पायर फेशियल के फायदों के साथ-साथ कुछ नकारात्मक प्रभाव भी होते हैं। इस फेशियल के बाद आपको लालपन और सूजन का अनुभव हो सकता है।इंजेक्शन वाली जगह पर हल्की सूजन आना आम है और यह कुछ दिनों में कम हो जाती है। इसके अलावा कुछ लोगों को असुविधा और मुंहासें भी हो सकते हैं।यह इंजेक्शन द्वारा होने वाली प्रक्रिया है, जिससे एचआईवी हो सकता है।आप रेड लाइट थेरेपी के जरिए भी त्वचा को जवान बना सकती हैं।

वैम्पायर फेशियल करवाने में लगती है इतनी लागत

वैम्पायर फेशियल या पीआरपी थेरेपी की लागत स्थान, डॉक्टर और उपचार की सीमा जैसे कारकों के आधार पर अलग-अलग हो सकती है। हालांकि, इसकी कीमत 30,000 रुपये से लेकर 80,000 रुपये से भी अधिक हो सकती है।

वैम्पायर फेशियल के दौरान कैसे सुनिश्चित करें अपनी सुरक्षा

आपको वैम्पायर फेशियल करवाने के लिए बोर्ड-प्रमाणित त्वचा विशेषज्ञ के पास ही जाना चाहिए। इसके अलावा आप एक लाइसेंस प्राप्त चिकित्सक या नर्स से क्क्क फेशियल ले सकते हैं।ऐसे डॉक्टर कड़े प्रोटोकॉल और सुरक्षा मानकों का पालन करते हैं, जिसके कारण आपको चिंता करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।किसी पार्लर या बयूटीशियन से यह प्रक्रिया न करवाएं, नहीं तो स्वास्थ्य जोखिम बढ़ सकते हैं।आप अपनी खूबसूरती को बढ़ाने के लिए फेशियल कपिंग का भी सहारा ले सकते हैं।

बिग बॉस से निकलते ही कृतिका ने पायल के तलाक वाले बयान पर किया रिएक्ट

Bigg Boss OTT-3 से एलिमिनेट होने के बाद अरमान मलिक से उनकी पहली पत्नी पायल मलिक ने तलाक का एलान किया था। इस बात की खबर अरमान मलिक और कृतिका मलिक को बिग बॉस के घर में हुई थी। उस वक्त दोनों हैरान रह गये थे। अब बिग बॉस से निकलने के बाद कृतिका मलिक ने पायल के तलाक वाली बात पर रिएक्शन दिया है।

विवादित शो बिग बॉस ओटीटी 3 में अरमान मलिक और उनकी दोनों पत्नियों पायल मलिक और कृतिका मलिक को बहुविवाह के लिए बहुत ट्रोल किया गया था। जब पायल शो से एलिमिनेट हुईं और बाहर गईं तब उन्हें बहुत नफरत मिली। सिर्फपायल मलिक ही नहीं, बल्कि उनके चारों बच्चों को भी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। इस बात ने पायल को अंदर से हिलाकर रख दिया था। वह बार-बार ट्रोल्स को जवाब दे रही थीं और अपना हाल बता रही थीं। एक व्लॉग में उन्होंने एलान कर दिया था कि वह अरमान से तलाक ले लेंगी और अपने तीनों बच्चों के साथ उनका घर छोड़ देंगी।

पायल ने किया था तलाक लेने का एलान

बाद में पायल मलिक ने वो वीडियो यूट्यूब से हटा दिया था। बिग बॉस के घर में जब मीडिया ट्रायल हुआ तब अरमान और कृतिका को पता चला कि पायल ने तलाक लेने का फैसला किया है। इस बात की वजह से कृतिका खूब रोई थीं। अब बिग खत्म होने के बाद कृतिका मलिक ने पायल के तलाक वाले फैसले पर रिएक्शन दिया है।

पायल के तलाक पर कृतिका का रिएक्शन

कृतिका मलिक ने फिनाले खत्म होने के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा, मुझे पायल के बयान पर जरा भी भरोसा नहीं हुआ, क्योंकि मैं 40 दिन के लिए बिग बॉस के घर में थी और यह सब अचानक हुआ, जब किसी ने पायल के तलाक वाली जानकारी दी। यह मेरे लिए बहुत शॉकिंग था। इस वजह से मेरा दो दिन तक ब्रेकडाउन रहा। मैं इमोशनली जूझ रही थी।

शो से निकलते ही पायल से मिलीं कृतिका

कृतिका मलिक ने आगे कहा, मैं अपने दिल को समझा रही थी कि क्या पता ये बात सच हो, क्या पता न हो। मेरा बस ये था कि मैं बाहर जाऊं और पायल से सीधे बात करूं। जब मैं घर से बाहर निकली, स्टेज पर पायल थी और मैंने उससे पूछा कि तू ठीक है ना। उसने बोला कि हां मैं ठीक हूं। बाकी बातें बाद की हैं।

प्रदेश के छात्रावासों में बढ़ेगी 2 हजार सीटें

मुख्यमंत्री साय ने किया आठ करोड़ रुपए से अधिक लागत से बने पाँच कन्या छात्रावासों का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शनिवार को आरंग में पाँच कन्या छात्रावासों का शुभारंभ किया। पाँचों छात्रावासों के शुरू हो जाने से अनुसूचित जाति की तीन सौ कन्याओं की अपनी पढ़ाई के लिए आवासीय सुविधा मिलेगी। इन छात्रावासों की लागत आठ करोड़ छह लाख रुपए से ज्यादा है। मुख्यमंत्री ने पोस्ट मैट्रिक अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास आरंग 100 सीटर लागत 174.67 लाख, प्री मैट्रिक अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास मंदिर हसौद, 50 सीटर लागत 174.67 लाख, अनुसूचित जाति कन्या आश्रम आरंग 50 सीटर लागत 162.76 लाख, अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास आश्रम 50 सीटर लागत 162.76 लाख, नवीन प्री मैट्रिक अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास आरंग 50 सीटर लागत 152.97 लाख रूपए का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कन्या छात्रावास परिसर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत रामफल के पौधे का रोपण किया।

इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश के सभी हॉस्टल, छात्रावासों में दो हजार सीटों की वृद्धि करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने माइनर नगर वितरक शाखा क्रमांक-एक पोढ़ापार रसोटा तुलसी केशला के जीर्णोद्धार, आरंग एसडीएम और तहसील कार्यालय के कर्मचारियों के लिए आवास के निर्माण, आरंग रेस्ट हाउस का विस्तार और जीर्णोद्धार करने की घोषणा की। इस मौके पर विधायक गुरू खुशवंत साहेब की मांग पर भण्डारपुरी गुरुद्वारा परिसर के निर्माण के लिए 17 करोड़ रुपये की मंजूरी भी दी गई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने छात्रावास के लोकार्पण कर छात्राओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात की खुशी है कि इन भवनों के माध्यम से अनुसूचित जाति वर्ग की हमारी बेटियां सुविधापूर्ण तरीके से अपनी शिक्षा को जारी रख सकेंगी और अच्छी तरह पढ़-लिखकर अपने माता-पिता और हमारे प्रदेश का नाम रोशन करेंगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शिक्षा विकास का मूल मंत्र है। शिक्षा केवल नौकरी पाने का माध्यम ही नहीं है बल्कि उससे भी बढ़कर एक आदर्श समाज की नींव है। किसी भी कार्य को अच्छी तरह कर पाने के लिए शिक्षा का अहम योगदान होता है। 15 साल प्रदेश में डॉ. रमन सिंह की सरकार रही, इन 15 सालों में प्रदेश में शिक्षा के विकास के लिए अनेक कार्य हुए। उस समय प्रदेश के शैक्षणिक संस्थान टॉप में रहे। उसी का परिणाम है कि आज प्रदेश में 10 से अधिक मेडिकल कॉलेज हैं। मंत्री रामविचार नेताम ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सरकार समाज के बेहतरी, उत्थान और विकास के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा कि इन कन्या छात्रावासों के शुभारंभ से छात्राओं को बड़ी सुविधा मिलेगी। उल्लेखनीय है कि इन छात्रावास-आश्रमों में अनुसूचित जाति की छात्राओं को पढ़ाई के लिए प्रवेश दिया जाएगा, जहाँ रहकर वे अपनी पढ़ाई पूरी कर सकेंगी। छात्रावासों में सुसज्जित शयन कक्ष, कम्प्यूटर कक्ष, क्लास रूम्स सहित भोजन कक्ष और पर्याप्त संख्या में शौचालय तथा स्नानागार बनाये गये है। भवनों में बिजली-पानी की भी पर्याप्त सुविधा उपलब्ध कराई गई है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने लगभग 20 स्कूली छात्राओं को आने-जाने के लिए निः शुल्क साइकिलें भी वितरित की। आरंग में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने श्रमिक कल्याण की विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को भी लाभान्वित किया। उन्होंने मिनीमाता महतारी योजना के तहत श्रमिक परिवार की दस महिलाओं को बीस-बीस हज़ार रुपये की सहायता दी। श्री साय ने नोनी सशक्तिकरण योजना के तहत श्रमिक परिवार की लगभग पंद्रह मेधावी छात्राओं को भी बीस-बीस हज़ार रुपये की राशि के चेक वितरित किए। मुख्यमंत्री ने दो निर्माण श्रमिकों की मृत्यु के बाद उनके परिजनों को एक-एक लाख रुपये की सहायता राशि भी प्रदान की। यह राशि निर्माण श्रमिक मृत्यु-दिव्यांग सहायता योजना के तहत दी गई। श्री साय ने दो बुजुर्ग श्रमिकों को बीस-बीस हज़ार रुपये की सहायता श्रमिक सियान सहायता योजना के तहत प्रदान की। श्रमिकों के पाँच मेधावी बच्चों को उनकी पढ़ाई जारी रखने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए तीन तीन हज़ार रुपये की सहायता भी दी गई।

इस योजना के तहत एक साल में नब्बे दिन निर्माण श्रमिक के रूप में काम करने वाले पंजीकृत श्रमिक के दो बच्चों को पहली कक्षा से स्नातकोत्तर तक की पढ़ाई के लिए एक हज़ार रुपए से दस हज़ार रुपए तक की सहायता दी जाती है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में पाँच पशुपालकों को डेयरी व्यवसाय के लिए तीन लाख रुपये से अधिक की सहायता राशि भी प्रदान की। श्री साय ने पशु मित्र योजना के तहत कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ताओं को भी लगभग तीन लाख रुपये का मानदेय वितरित किया।

सुशासन के साथ विकास हमारी प्राथमिकता : साय

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन के साथ विकास हमारी सरकार की प्राथमिकता है। हमारी सरकार को कुछ ही माह हुए हैं इतने कम समय में हमने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रदेश की जनता को दी गई गारंटियों को पूरा करने की दिशा में कदम बढ़ा दिया है। इस क्रम में आरंग विधानसभा के विकास के लिए भी हमने कम समय में 17 करोड़ रूपए की स्वीकृति दी है। शिक्षा के क्षेत्र में भी हमारी सरकार लगातार कार्य कर रही है। पीएम श्री योजना में छत्तीसगढ़ के 211 स्कूलों को शामिल किया गया है। इन स्कूलों के विकास के लिए केंद्र सरकार से 02 करोड़ रूपए का बजट मिलेगा, जिसका उपयोग स्कूल में अच्छे शिक्षकों की उपलब्धता, शैक्षणिक गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए किया जाएगा। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ से दिल्ली जाकर आईएएस, आईपीएस परीक्षा की तैयारी करने वाले एसटी, एससी, ओबीसी वर्ग के छात्रों के लिए दिल्ली में निर्धारित हॉस्टल में सीटों की संख्या की बढ़ोतरी करते हुए उसे 200 किया गया है।

छात्र ने मुख्यमंत्री को भेंट की स्केच पोर्ट्रेट

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को आरंग में आयोजित आश्रम छात्रावास लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान नवमी कक्षा के छात्र हर्ष गिलहरे ने अपने हाथों से बनाई स्केच पोर्ट्रेट भेंट की। हर्ष की भेंट पाकर मुख्यमंत्री ने उसे शुभाशिर्वाद दिया और उसे मन लगाकर पढ़ाई करने की समझाइश दी। मुख्यमंत्री ने हर्ष से कहा कि उसके पास केवल एक पेंसिल से किसी की हू-ब-हू तस्वीर बनाने (स्केच) का अनूठा हुनर है और खूब अभ्यास कर इसको निखारना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रैक्टिस से परफेक्शन आता है, उसकी बारीकियाँ पता चलती है। लगातार प्रैक्टिस करके वो एक अच्छा स्केचमेकर बनकर देश-दुनिया में अपना और अपने प्रदेश का नाम रोशन कर सकता है। हर्ष गिलहरे रायपुर के डीडी नगर स्थित केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 2 का कक्षा नौंवी का छात्र है।

पीएम मोदी ने दी खुशखबरी तो सीएम साय ने दी बधाई

मील का पत्थर साबित होगा पत्थलगांव-गुमला हाईस्पीड फोरलेन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रायपुर से रांची नेशनल हाईस्पीड कारीडोर प्रोजेक्ट अंतर्गत पत्थलगांव, जशपुर (छत्तीसगढ़) से गुमला (झारखंड) तक के लिए हाई-स्पीड फोरलेन रोड को स्वीकृति दिए जाने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया है। सीएम साय ने कहा कि यह महत्वपूर्ण सड़क परियोजना दोनों राज्यों छत्तीसगढ़ एवं झारखंड के विकास में मील का पत्थर साबित होगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेशवासियों के साथ जशपुर निवासियों को इस हाई-स्पीड फोरलेन रोड परियोजना की स्वीकृति की विशेष रूप से बधाई देते हुए कहा कि पत्थलगांव से गुमला तक फोरलेन सड़क के निर्माण से रायपुर और रांची के मध्य यात्रा सुगम होने के साथ-साथ यात्रा में समय की भी बचत होगी। सड़क परियोजना पूर्ण होने से दोनो राज्यों में विकास कार्यों की गति में भी तेजी आएगी। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्रीय कैबिनेट में 50 हजार 655 करोड़ रूपए लागत और लगभग 936 किलोमीटर लंबाई की आठ राष्ट्रीय हाई-स्पीड रोड परियोजनाओं की स्वीकृति दिए जाने की जानकारी ट्वीटर पर साझा की है। उन्होंने कहा है कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से आर्थिक उन्नति के साथ-साथ देश में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

गन्ना किसानों को रियायती दर पर मिलेगी 50 किलो शक्कर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार अन्नदाता किसानों के हित में निरंतर कार्य कर रही है, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो रही है। इसी क्रम में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के निर्देश पर भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना, राम्हेपुर द्वारा पेराई सीजन 2023-24 के तहत गन्ना किसानों को एफआरपी गन्ना भुगतान अंतर्गत 6 करोड़ 02 लाख रुपए का भुगतान जारी किया गया है। इस भुगतान के साथ ही कारखाना द्वारा अब तक कुल 113 करोड़ 52 लाख रुपए का भुगतान गन्ना किसानों को किया जा चुका है। इस प्रकार पेराई सत्र 2023-24 में गन्ना बेचने वाले सभी किसानों को 100 प्रतिशत भुगतान कर दिया गया है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि भोरमदेव शक्कर कारखाना द्वारा सभी किसानों का 100 प्रतिशत भुगतान पूरा कर दिया गया है। इसके साथ ही, किसानों को जल्द ही रियायती दर पर 50 किलो शक्कर भी प्रदान की जाएगी। त्योहारी सीजन के मद्देनजर गन्ना बिक्री से प्राप्त राशि के कारण किसानों के चेहरे पर खुशी की लहर है।

गौरतलब है कि भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना, पिछले वर्षों की तरह इस वर्ष भी एफआरपी की शत-प्रतिशत राशि का भुगतान कर रहा है। क्षेत्र के किसानों की जागरूकता और उच्च गुणवत्ता के गन्ना की आपूर्ति के कारण इस वर्ष रिकवरी में वृद्धि हुई है, जिससे किसानों को इस वर्ष पिछले वर्ष से अधिक रिकवरी राशि प्राप्त होगी। इस राशि का भी भुगतान जल्द ही किया जाएगा, जिससे किसानों में उत्साह का माहौल है। उल्लेखनीय है कि एफआरपी और रिकवरी राशि शक्कर कारखाना द्वारा दी जाती है, जबकि गन्ना प्रोत्साहन या बोनस राशि छत्तीसगढ़ शासन के कृषि विभाग द्वारा दी जाती है। राज्य सरकार के कृषि बजट में बोनस राशि को भी शीघ्र गन्ना किसानों को प्रदान करने का प्रावधान किया गया है।

स्वच्छता दीदियों और स्वच्छता कमांडोज के मानदेय के लिए 25.86 करोड़ जारी

रायपुर। राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय द्वारा नगरीय निकायों में कार्यरत स्वच्छता दीदियों और स्वच्छता कमांडोज के मानदेय के लिए 25 करोड़ 86 लाख रुपए जारी किए गए हैं। इस राशि से उन्हें जुलाई, अगस्त और सितम्बर का मानदेय प्रदान किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने सभी नगरीय निकायों को राशि जारी कर दी है। मिशन क्लीन सिटी के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न नगरीय निकायों में 9232 स्वच्छता दीदियां और 1937 स्वच्छता कमाण्डोज काम कर रही हैं। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने शहरों में स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी कार्यों में गुणात्मक सुधार के निर्देश दिए हैं। उनके निर्देश पर शहरों में स्वच्छता गतिविधियों की निरंतरता बनाए रखने के लिए प्रदेश के 11 नगर निगमों में कार्यरत 4099 स्वच्छता दीदियों, 43 नगर पालिकाओं की 2557 और 112 नगर पंचायतों की 2576 स्वच्छता दीदियों के मानदेय भुगतान के लिए नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा 19 करोड़ 94 लाख 11 हजार 200 रुपए जारी किए गए हैं। नगरीय निकायों में प्लेसमेंट में कार्यरत् 14 नगर निगमों के 460 स्वच्छता कमाण्डोज, 43 नगर पालिकाओं के 726 और 112 नगर पंचायतों के 751 स्वच्छता कमाण्डोज के तीन महीनों के मानदेय के लिए पांच करोड़ 92 लाख 29 हजार 300 रुपए जारी किए गए हैं।

अब जंगल में ऊबड़-खाबड़ पगडंडियों की ओर नहीं जाते पहाड़ी कोरवा राजकुमारी के कदम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बात कुछ महीने पहले की ही है। राजकुमारी की जिंदगी किसी राजकुमारी की तरह तो दूर की बात, एक सामान्य इंसान की तरह भी न थी। जंगल में रहना, तेंदू-चार बीनना, बकरी चराना, घर में बाड़ी में काम करना तो कभी खेतों में हल चलाना और सुबह-शाम चूल्हा फूंकना राजकुमारी के जिंदगी की जद्दोजहद में शामिल था। शहर से लगभग 90 किलोमीटर दूर पेंड्रीडीह गाँव की पहाड़ी कोरवा महिला राजकुमारी की ख्वाहिश थी कि वह पढाई करें और कुछ नौकरी करें। पढ़ाई की उनकी यह ख्वाहिश पूरी तरह से पूरी नहीं हो सकी। लेकिन जितना भी पढ़ी थीं, उन्हें समझ थी कि पढ़ाई ही एक ऐसा माध्यम है जो उन्हें और और उनके समाज को उन्नति की राह पर आगे ले जा सकता है। एक उम्र के साथ ही घर वालों द्वारा रिश्ता तय करने के बाद ससुराल आई राजकुमारी को जब मालूम हुआ कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा जिले के शिक्षित पहाड़ी कोरवाओं को नौकरी दी जा रही है तो उन्होंने देरी नहीं की। अपना आवेदन दिया और पक्के इरादों के साथ जंगल से दूर आकर शहर में नौकरी शुरू की। अब जब नौकरी मिल गई है तो पहाड़ी कोरवा राजकुमारी की दिनचर्या ही बदल गई है। पहले सुबह उठते ही जो कदम उबड़-खाबड़ पगडंडियों से होकर जंगल की ओर जाया करते थे, अब वह जिंदगी की नई पारी और एक नई जिम्मेदारी के साथ स्कूल की ओर आते है। कोरबा ब्लॉक के सुदूरवर्ती ग्राम पेंड्रीडीह की पहाड़ी कोरवा राजकुमारी ने कभी सोचा भी नहीं था कि एक दिन अचानक से उन्हें जंगल छोड़कर शहर आना पड़ेगा। उन्हें तो लगता था कि वह जंगल में ही पैदा हुई और अब जिंदगी इन्हीं जंगल में ही बीतेगी। जिले के शिक्षित बेरोजगार पहाड़ी कोरवा जनजाति के युवाओं को रोजगार से जोड़ने की पहल किए जाने के पश्चात वनांचल की राजकुमारी की किस्मत भी एकाएक बदल गई। अपना आवेदन जमा करने के साथ ही भृत्य पद के लिए चयनित हुई पेंड्रीडीह की राजकुमारी ने जंगल से शहर आकर नौकरी की शुरुआत की।

आठवीं पास राजकुमारी ने बताया कि जंगल के आसपास ही उनके पुरखों की जिंदगी कटी है, वह भी काट रही थी। अचानक से शहर आना और यहाँ रहना कुछ अलग-सा लगता है, लेकिन यह सब मंजूर है, क्योंकि आज वह जितनी पढ़ाई की, उसी के हिसाब से उसे नौकरी मिली है। राजकुमारी का कहना है कि वह यदि जंगल में रहती तो उन्हें और उनके बच्चों को भी उन्हीं माहौल में ढलना पड़ता। उन्होंने बताया कि गाँव में आठवीं तक कि पढ़ाई पूरी करने के बाद शादी हो गई और वह अपने ससुराल में जाकर रहने लगी।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर डिप्टी सीएम ने चेताया, कहा- होगी कड़ी कार्यवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उपमुख्यमंत्री व गृहमंत्री विजय शर्मा ने कबीरधाम जिले के समग्र विकास, किसानों के आर्थिक विकास के लिए नई सिचाई परियोजनाओं, वनांचल सहित सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में बैकिंग सुविधाओं के विस्तार, शिक्षा, स्वास्थ्य और मूलभूत तथा बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर विशेष जोर दिया है।

श्री शर्मा ने कबीरधाम जिले के दो दिवसीय प्रवास के दौरान कलेक्ट्रोरेट कार्यालय के सभाकक्ष में केन्द्र तथा राज्य शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं, कार्यक्रमो की गहन समीक्षा की। उन्होने समीक्षा बैठक में जिले के वंनाचल क्षेत्रों में अधोसरंचना, पुल-पुलिया, सड़क, पीएम जनमन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, कृषि उपज मंडी के स्वीकृत विकास कार्य, विधायक निधि, प्रभारी मंत्री द्वारा स्वीकृत कार्य, मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास कार्य, त्रि-स्तरीय पंचायती राज संस्थानों के क्षमता विकास योजना अंतर्गत स्वीकृत कार्य, मनरेगा के तहत स्वीकृत कार्य, लोक निर्माण विभाग के कार्य, नई सिचाई परियोजनाओं, वनांचल सहित सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में बैकिंग सुविधाओं के विस्तार, शिक्षा, स्वास्थ्य और मूलभूत तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की गहन समीक्षा की। उन्होने संबंधित विभागों को स्वीकृति के लिए प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने विभिन्न मदों से स्वीकृत कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि स्वीकृत निर्माण कार्यों में तेजी लाएं और निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी स्वीकृत कार्यो को पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होने कृषि उपज मंडी द्वारा स्वीकृत निर्माण कार्य को प्रांरभ नहीं करने पर कड़ी नाराजगी जताई।

उन्होने कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जाएगा। निर्माण कार्य मे यदि गुणवत्ताहीन की शिकायत मिलती है ऐसे निमार्ण कार्यों की सभी पहलुओं की जांच कराई जाएगी और संबंधित विभाग के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए निर्माण एंजेसी तथा संबंधित ठेकेदारों पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कबीरधाम जिले में किसानों के आर्थिक समृद्धि के लिए जिले के सूदूर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक की पांच नई शाखा खोलने के प्रस्ताव राज्य शासन को प्रेषित करने के निर्देश दिए। इन पांच नई बैकिंग शाखाओं में सूदूर वनांचल क्षेत्र के ग्राम चिल्फी, कोयलारी, झलमला, सुरजपुरा और राजानवागांव शामिल है। इन ग्रामो में बैकिंग सुविधाओं के विस्तार होने से क्षेत्र के हजारों किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा साथ ही शिक्षित युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर मिलेगे। उन्होंने जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक को राजनांदगांव से पृथक कर स्वतंत्र कबीरधाम जिले के लिए बैंक खोलने के प्रस्ताव बनाने के लिए जिला सहकारी केन्द्रीय बैक के नोडल अधिकारी को निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि राजनांदगांव के केन्द्रीय जिला सहकारी बैंक कबीरधाम जिले के कूकदूर से लेकर मानपुर-मोहला तक कुल चार जिले संचालित हो रहे है, कार्य क्षेत्र विस्तार अधिक होने के कारण बैंकिंग से जुड़े किसानो की समस्याओं का निराकरण करने में विलंब हो जाता है, इसलिए कबीरधाम जिले में पृथक से बैंक खोलने पर विचार करने की जरूरत है।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने समीक्षा बैठक में ठाकुर देव चौके से लेकर नए हाईटेक बस स्टैण्ड तक सड़क चौड़ी करण, कवर्धा से सरोध मार्ग के चौड़ीकरण के प्रस्तावित कार्य की समीक्षा की। उन्होंने कवर्धा शहर के विस्तार को विशेष ध्यान में रखते हुए रायपुर-बिलासपुर मार्ग के लिए नए बाई पास निर्माण के लिए नेशनल हाईवे के अधिकारियों को सर्वे कर प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होने बैठक में राज्य शासन द्वारा कवर्धा से होते हुए खैरागढ़, राजनांदगांव, मोहला, मानपुर व बस्तर को जोड़ने वाले राजकीय मार्ग को नेशनल हाईवे में शामिल करने के प्रस्ताव की जानकारी भी दी। उन्होंने लोक निर्माण विभाग से रायपुर से बिलासपुर बाईपास मार्ग सात किलोमीटर के चौड़ी करण के प्रस्तावित कार्यों की प्रगति की जानकारी ली।

स्कूटी के साथ चुरा ले गए 50 लाख का सोना, परिवार के साथ सिहोर गया था शातिर, पुलिस की गिरफ्त में आरोपी

आरोपी खुद भी है सराफा व्यापारी, आर्थिक स्थिति ठीक करने पड़ोसी दुकानदार को ही बनाया निशाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सुपेला थाना क्षेत्र में सराफा कारोबारी को सोना चुराने वाले दो शातिर बदमाशों को पकड़ने में पुलिस को सफलता मिली है। घटना का मास्टर माइंड स्वयं सराफा कारोबारी है और कई दिनों से दूसरे कारोबारी का सोना चुराने की ताक पर था। एक दिन मौका मिला और स्कूटी के साथ उसने सोना पार दिया। एक अन्य से इस काम में उसका साथ दिया। करीब सप्ताह भर पहले की इस घटना में पुलिस को आरोपियों तक पहुंचने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। सीसी टीवी फुटेज व मोबाइल लोकेशन के आधार पर पुलिस को कामयाबी मिली। इस मामले में पुलिस ने नरेश सोनी और आनंद सोनी नाम के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

दरअसल चोरी की यह घटना 25 जुलाई की है। वैशाली नगर निवासी सागर हिम्मत जरे ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी। अपनी शिकायत में उसने बताया कि दुर्ग स्थित जेबीआर रिफाईनरी दुकान में सोना गलाने का काम करता है। उसने बताया कि 25 जुलाई को वह अपनी दुकान से सोना अपनी स्कूटी की डिक्की में रखकर रात 9 बजे खाना खाने से अंसारी होटल गया था। इस दौरान स्कूटी अंसारी होटल के बाहर पार्क किया था। खाना खाकर लौटने के बाद देखा कि स्कूटी वहां नहीं थी। शिकायत के आधार पर सुपेला पुलिस ने मामले में धारा 303 (2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की।

सीसी टीवी फुटेज में दिखे दो संदिग्ध

इस पूरे मामले का खुलासा करते हुए एसपी जितेन्द्र शुक्ला ने बताया कि विवेचना के दौरान पुलिस ने घटना स्थल के आसपास के सीसी टीवी फुटेज खंगाले। इस दौरान दो संदिग्ध दिखे जो रेन कोट व हेलमेट लगाए हुए थे। फुटेज मिलने के बाद भी पुलिस के सामने इन्हें पहचानने की चुनौति थी। इसके बाद पुलिस ने इन दोनों की पहचान करने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस को एक संदिग्ध नरेश सोनी के बारे में पता चला। स्कूटी चुराते समय उसने चालाकी दिखाई और मोबाइल ऑफकर दिया। इसके बाद वायशेप ओवरब्रिज के पास स्कूटी छोड़ने के बाद अपना मोबाइल ऑन किया। पुलिस को मोबाइल लोकेशन मिली लेकिन आरोपी नहीं। संदिग्ध के घर पर भी ताला लगा हुआ था। एक हफ्ते बाद नरेश सोनी पकड़ाया और उसके जरिए उसका साथी आनंद सोनी भी पकड़ाया।

इतना सोना होने का नहीं था अनुमान

आरोपी नरेश सोनी को स्कूटी की डिक्की में 740 ग्राम सोना कीमती 50 लाख रुपए होने का अनुमान नहीं था। चोरी के बाद अपने हिस्से का सोना उसने घर पर ही छिपा रखा था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने घटना में प्रयुक्त होण्डा शाइन, चोरी गये स्कूटी वाहन, सोने के 08 नग बिस्कीट एवं सोने के टूकड़े कुल वजनी 740 ग्राम के लगभग कुल कीमती 50 लाख रुपए जब्त किया है। इस पूरी कार्रवाई में थाना सुपेला से एएसआई दिनेश सिंह, प्रधान आरक्षक मुकेश साहू, आरक्षक राजेश हनौटे, एसीसीयू से एसआई भूपेश सिंह, एएसआई पूर्ण बहादुर, प्रधान आरक्षक चंद्रशेखर बंजीर, आरक्षक भावेश पटेल, शाहबाज खान, विक्रान्त कुमार, राकेश चौधरी, पन्नेलाल, दुष्यंत लहरे, अमित सिंह, उपेन्द्र यादव, अजय ढीमर, चित्रसेन साहू की उल्लेखनीय भूमिका रही। दुर्ग एसपी जितेन्द्र शुक्ला ने टीम को नगद इनाम की घोषणा भी की है।

खराब आर्थिक स्थिति के कारण की थी चोरी

पुलिस की पूछताछ में नरेश सोनी ने बताया कि उसकी आर्थिक स्थिति काफी खराब हो गई थी इसलिए उसने चोरी का प्लान बनाया। नरेश सोनी की सुपेला में नरेश ज्वेलर्स नाम से दुकान है। वहीं सागर हिम्मत जरे पास की दुकान में सोना गलाने का काम करता है। दोनों में परिचय भी है। नरेश सोनी को पता था कि सागर हमेशा अपने पास सोना रखा रहता है। एक दिन सागर अपनी स्कूटी की चाबी भूल गया तो नरेश सोनी ने वह चाबी छिपा दी थी। इसके बाद वह मौके की ताक में था।

परिवार के साथ सिहोर चला गया था आरोपी

25 जुलाई को सागर अपनी दुकान बंद करने के बाद अंसारी होटल गया। पीछे से नरेश सोनी अपने साथी आनंद सोनी के साथ अंसारी होटल पहुंचा। सागर जैसे ही अंदर गया तो अपने पास रखी दूसरी चाबी से स्कूटी खोली और अपना मोबाइल बंद कर निकल गया। वाईशेप ओवर ब्रिज के पास स्कूटी छोड़ी और अपने साथी को हिस्सा देने के बाद नरेश सोनी परिवार के साथ सिहोर मध्यप्रदेश घूमने चला गया। एक दिन पहले जैसे ही नरेश सोनी वापस लौटा तो पहले से ताक में बैठी पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

खास खबर

पटवारी के साथ दुर्व्यवहार करने वाले दंपत्ति को पुलिस ने गिरफ्तार

जशपुर। शासकीय कार्य कर रहे पटवारी के साथ जातिसूचक अमर्यादित भाषा का प्रयोग करते हुए मारपीट करना एवं दस्तावेज को फेंकना एक दंपत्ति को भारी पड़ा। पुलिस ने चंद घंटो में गिरफ्तार कर दंपति को जेल भेज दिया है। थाना में आरोपियों के विरूद्ध भा.न्या.सं. की धारा 296, 221, 132, 115(2), 3(5) एवं 3(2)(5), 3(1)(ध) एससी/एसटी एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध किया गया है। आपको बता दे प्रार्थी प्लासिदियुस टोप्पो उम्र 47 साल ने दिनांक 31.07.2024 को थाना कुनकुरी में रिपोर्ट दर्ज कराया कि यह कुडुकेला नारायणपुर में पटवारी के पद पर पदस्थ है, यह उक्त दिनांक को शासकीय कार्य से तहसीलदार कुनकुरी के कार्यालय में गया था उस समय ईश्वर यादव एवं उसकी पत्नी भूमति यादव दोनों इसके पास आये और जमीन का नक्शा गलत काट दिये हो कहकर अमर्यादित भाषा का प्रयोग कर बहस करने लगे, तब प्रार्थी ने उन्हें तहसीलदार कार्यालय के मर्यादा का ध्यान में रखकर बात करने हेतु आग्रह किया। तत्पश्चात् दोनों पति-पत्नि एवं प्रार्थी कार्यालय के बाहर परिसर में आये तो वहां भी दोनों पति-पत्नि मिलकर पटवारी से अमर्यादित भाषा का प्रयोग किये, परिसर में मौजूद लोगों के द्वारा दोनों पति-पत्नि को समझाया गया। फिर प्रार्थी अपने एक अन्य साथी के साथ मोटर सायकल के शो-रूम में गया वहां भी दोनों पति-पत्नि पीछे से पहुंच गये और प्रार्थी को जातिगत अमर्यादित भाषा का प्रयोग कर हाथ-मुक्का से मारपीट कर प्रार्थी के पास रखे शासकीय दस्तावेज नक्शा को फेंक दिये जिससे वह फट गया। प्रार्थी की उक्त रिपोर्ट पर थाना कुनकुरी में भा.न्या.सं. की धारा 296, 221, 132, 115(2), 3(5) एवं 3(2)(5), 3(1)(ध) एससी/एसटी एक्ट का अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

अवैध शराब बिक्री कर रहे आरोपी के विरुद्ध कोतवाली पुलिस ने की कार्यवाही

धमतरी। असामाजिक कार्यों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर वैधानिक कार्यवाही करने एवं उनकी गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु सभी प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिये गए हैं। जिस पर धमतरी पुलिस थाना कोतवाली द्वारा पेट्रोलिंग के दौरान अर्जुनी मोड़ के पास धमतरी में एक व्यक्ति द्वारा अवैध रुप से शराब बिक्री किये जाने की मुखबिर सूचना पर थाना प्रभारी कोतवाली द्वारा टीम भेजकर रेड कि कार्यवाही कि गई। जहां पर अर्जुनी मोंड़ के पास धमतरी के पास धनंजय दास मानिकपुरी नाम का व्यक्ति द्वारा अवैध रूप से शराब बिक्री कर रहा था जहां पर हमराह स्टॉफ एवं गवाहों के समक्ष आरोपी धनंजय दास मानिकपुरी पिता स्व.सुखदेव मानिकपुरी के पास में 26 पौवा देशी प्लेन शराब प्रत्येक में 180-180 रूशराब भरा हुआ कीमती 2340/-रूपये गवाहों के समक्ष जब्त कर आरोपी के विरुद्ध धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत वैधानिक कार्यवाही किया गया। आरोपी-: धनंजय दास मानिकपुरी पिता स्व.सुखदेव मानिकपुरी,उम्र 52 वर्ष साकिन तेलीनसत्ती, थाना अर्जुनी जिला धमतरी (छ.ग.)। उक्त कार्यवाही में थाना सिटी कोतवाली धमतरी प्रआर. दीपेश देहारी,आर. चंदर जमदार,डायमंड यादव का विशेष योगदान रहा।

आगजनी-तोड़फोड़ में शामिल तीन आरोपी गिरफ्तार

बलौदाबाजार। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस द्वारा बलौदाबाजार नगर में घटित तोड़फोड़ एवं आगजनी की घटना में शामिल 03 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें नितेश उर्फ निक्कू टंडन, दुष्यंत टंडन उर्फ बिट्टू एवं संतोष भारती शामिल हैं। अब तक बलौदाबाजार में तोड़फोड़ एवं आगजनी की घटना को अंजाम देने वाले कुल 176 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

दिनांक 10.06.2024 को बलौदाबाजार में आयोजित धरना प्रदर्शन में शामिल लोगों द्वारा आक्रोशित होकर पुलिस बल के साथ झूमाझपटी, पत्थर बाजी, मारपीट करते हुए संयुक्त कार्यालय परिसर एवं वहां खडी वाहनों में भी तोड़फोड़ करते हुए आग लगा दिया गया। धरना प्रदर्शन का आयोजन करने वाले तथा इस दौरान बलवा तोड़फोड़ एवं आगजनी करने वाले आरोपियों एवं उपद्रवी तत्वों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस की अलग-अलग टीमों का निर्माण कर संभावित स्थलों में लगातार दबिश दिया जा रहा है। प्रकरण में शामिल अन्य आरोपियों की वीडियो, फोटो, सीसीटीवी फुटेज एवं अन्य तकनीकी विश्लेषण के आधार पर पहचान कार्यवाही करते हुए सरगर्मी से पता तलाश जारी है।। इसी क्रम में पुलिस द्वारा धरना प्रदर्शन का आयोजन करने, संपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन करने वाले, पत्थरबाजी करने एवं तोड़फोड़ में शामिल आरोपियों का चिन्हांन कर उनकी गिरफ्तारी को प्राथमिकता के आधार पर लिया गया है। जिसके तहत पुलिस द्वारा आज दिनांक 02.08.2024 को प्रकरण में शामिल 03 आरोपियों को पकडा गया है। गिरफ्तार आरोपियों में बलौदाबाजार निवासी नितेश उर्फ निक्कू टंडन भी शामिल है, जिसे माननीय न्यायालय से न्यायालयीन प्रक्रिया के तहत गिरफ्तार किया गया है।। इसके साथ ही 02 अन्य आरोपी में ग्राम लिमतरा निवासी दुष्यंत टंडन उर्फ बिट्टू एवं खुर्सीपार भिलाई निवासी संतोष भारती को भी पकड़ा गया है। आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करते हुए जेल भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। प्रकरण में आज दिनांक 02.08.2024 तक की स्थिति में बलौदाबाजार में तोड़फोड़ एवं आगजनी की घटना को अंजाम देने वाले कुल 176 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से लैब टेक्नीशियन की मौत

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई।

छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। बताया जा रहा है कि हादसे के बाद गाड़ी लेकर आरोपी मौके से फरार हो गया। पूरा मामला कटघोरा थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम शिव यादव (27) है। वह जांजगीर चापा जिले चारापारा सोनाईडीह का रहने वाला था। कटघोरा में अपनी पत्नी और ढाई साल की बेटी के साथ किराए के मकान पर रहता था। कटघोरा के एक निजी लैब में टेक्नीशियन का काम करता था।

बिलासपुर में चाकूबाजी, अब तक 4 आरोपी गिरफ्तार

बिलास। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में चाकू मारकर भागने वाला आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ गया। वारदात 19 मई को हुई थी और मामले के तीन आरोपी पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजे जा चुके हैं। पूरा मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र के चोरभट्ठी का है। मिली जानकारी के मुताबिक साबिर खान घटना के बाद से फरार था, जिसे मुखबिर की सूचना पर चोरभट्?ठी में गिरफ्तार किया गया। चाकूबाजी मामले में अब तक 4 की गिरफ्तारी हो चुकी है।

सिविल लाइन थाने में 19 मई को शहाबुद्दीन उर्फ चिराग ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके साथी अरहान खान को आरोपी उदय चक्रधारी और उसके अन्य साथियों ने चाकू मार कर हत्या करने की नीयत से घातक चोट पहुंचाकर घायल कर दिया। घटना के दौरान जब लोगों ने बीच-बचाव करने की कोशिश की तो उन्होंने अन्य लोगों की कारों के शीशे तोड़ दिए।

इस मामले में पुलिस ने उदय चक्रधारी, मनीष यादव और प्रेम डाहिरे को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पूरी घटना में शामिल एक अन्य आरोपी साबिर खान घटना के बाद से फरार था। मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी चोरभट्टी के पास छुपा हुआ है। इस आधार पर थाना प्रभारी सिविल लाइन के नेतृत्व में टीम गठित कर आरोपी को घेराबंदी कर पकड़ा गया।

रायपुर में फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी ने किया फ्रॉड

महिलाओं को दिए लोन के पैसे को वसूलकर खुद रख लिए, साढ़े 7 लाख का लगाया गबन

रायपुर। राजधानी रायपुर में एक फाइनेंस कंपनी के कर्मचारियों ने फ्रॉड किया है। कंपनी ने महिला समूह को करीब साढ़े 7 लाख रुपए लोन में दिए थे। ये पैसे जब महिला समूहों से वापस आए तो उसने पैसों को कंपनी में जमा न कर खुद रख लिए। फिर वह गुमराह करता रहा। यह पूरा मामला टिकरापारा थाना क्षेत्र का है।

तुषार गिल्बर्ट ने टिकरापारा पुलिस को शिकायत ने बताया कि वह वेक्टर फाइनेंस कंपनी में ब्रांच मैनेजर है। कंपनी का एक कर्मचारी घनश्याम बनारसी सीनियर सीआरओ के पद पर था। कंपनी ने महिलाओं के समूह को करीब साढ़े 7 लाख रुपए लोन में दिए थे। इसके बाद लोन के रुपयों को समूहों से जमा करने के लिए घनश्याम ने वसूल कर लिए। लेकिन जब कंपनी ने अपना ऑडिट कराया तो हिसाब में रुपये कम मिले।

जांच पड़ताल में पता चला कि कंपनी के कई ग्राहकों को घनश्याम ने रुपए जमा करने का भरोसा दिया। लेकिन उसने रुपये को खुद रख लिए।

FIR के मुताबिक, घनश्याम ने करीब 7 लाख 60 हजार रुपए का फ्रॉड किया है। इस मामले में जब कंपनी ने घनश्याम से पूछताछ की तो वह रुपए वापस लौटा देने के लिए गुमराह करता रहा। लंबे समय तक रुपये नहीं मिलने पर कंपनी ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया है।

पिता की हत्या के आरोपी बेटे को आजीवन कारावास की सजा, नाराज होकर उतारा था मौत के घाट

गौरेला पेण्ड्रा मरवाही। में पिता के हत्यारे बेटे को आजीवन कारावास की सजा, अपर सत्र न्यायाधीश पेंड्रारोड किरण थवाईत ने सुनाई हत्यारे बेटे को आजीवन कारावास की सजा। मरवाही थाना क्षेत्र के बहुटाडोल गांव में अगस्त 2022 को बेटे ने पिता के दूसरी शादी से नाराज होकर हर दी थी पिता की हत्या।

पूरा घटना क्रम अगस्त 2022 का था जहा पर सोननदी के तट पर स्थित ग्राम बहुटाडोल मरवाही की था जहाँ आरोपी कृपाल सिंह ने अपने पिता मृतक हरदींन वाकरे को टंगिया से गले और पैरों पर बुरी तरह हमला कर अपने पिता की हत्या कर दी थी,आरोपी कृपाल सिंह मृतक हरदीन की पहली पत्नी का बेटा था,मृतक हरदीन जो सोननदी के एनीकट के पास बने मन्दिर में काफी दिनों से रहता था और मंदिर में पूजा पाठ किया करता था और पास की झोपड़ी में अपनी दूसरी पत्नी के साथ रहता था।

आरोपी कृपाल सिंह-मृतक हरदीन की पहली पत्नी का बेटा है,बाप और बेटे के बीच मे आये दिन लगातार किसी न किसी बात को लेकर झगड़ा होते रहता था,बाप की दूसरी शादी कर लेने के बाद से ही आरोपी बेटा कृपाल सिंह काफी तनाव में रहता था,घटना वाले दिन भी दोनों पिता पुत्र के बीच जमकर झगड़ा हुआ था हालांकि आसपास के लोगो ने दोनो के झगड़े को शांत करा दिया था लेकिन आरोपी बेटे के सर पर खून सवार हो चुका और घटना वाले दिन को दोपहर में मौका पाकर टंगिया से अपने मृतक बाप को दौड़ाकर मार रहा था इसी दौरान टंगिया से पहले पैर पर मारा और मृतक के जमीन पर गिरते ही उसके गर्दन पर टंगिया से ताबड़तोड़ वार कर मौके पर ही मार डाला था।

हत्या के इस पूरे मामले में माननीय अपर सत्र न्यायाधीश पेंड्रारोड किरण थवाईत ने फैसला सुनाते हुये आरोपी कृपाल सिंह वाकरे को आईपीसी की धारा 302 के तहत आजीवन कारावास और एक हजार रूपये के अर्थदंड की सजा सुनाई हैं। अर्थदंड की नही पटापने पर आरोपी को तीन माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास की सजा भुगतनी होगी। इस मामले में शासन की ओर से पैरवी अतिरिक्त लोक अभियोजक पंकज नगायच ने किया।

बारिश से ढह गया मकान, पति-पत्नी की मौत आठ घंटे मलबे में दबा रहा बच्चा; निकला सुरक्षित

पेंड्रा। एक दर्दनाक हादसे में कच्चे मकान गिरने से पति-पत्नी की मलबे में दबकर मौत हो गई है। वहीं आठ साल के बच्चे को मलबे से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। बच्चा रात साढ़े 10 बजे से सुबह 6 बजे तक मलबे में दबा रहा। जिसके बाद बच्चे को सुरक्षित जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। जहां बच्चा सुरक्षित है।

यह पूरा मामला पेण्ड्रा थाना क्षेत्र के रामगढ़ गाव का है। जहां पर पिछले दो दिनों से रुक-रुककर हो रही बारिश से जन जीवन अस्त व्यस्त है। वहीं देर रात पेण्ड्रा के रामगढ़ गांव में एक कच्चा मकान ढह गया। जिसके चलते घर में सो रहे पति दिनेश सिंह, पत्नी शारदा सिंह और उनका आठ साल का बच्चा प्रिंस दबा रहा।

तीनों रात लगभग 10.30 बजे से लेकर सुबह 6 बजे तक दबे रहे घटना में पति-पत्नी की मौके पर मौत हो गई। जबकि 8 साल के प्रिंस को आस-पास के ग्रामीणों ने सुरक्षित मलबे से बाहर निकालकर जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर उसकी हालत सामान्य है।तो रामगढ़ गाव में हुए घटना की सूचना पर पेण्ड्रा पुलिस मौके पर पहुचकर शव का पंचनामा कार्यवाही के बाद अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंपने के साथ पीड़ित पक्ष को उचित मुआवजा देने की बात है साथ ही बच्चे के उचित इलाज की व्यवस्था भी करने को निर्देशित किया गया है।

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

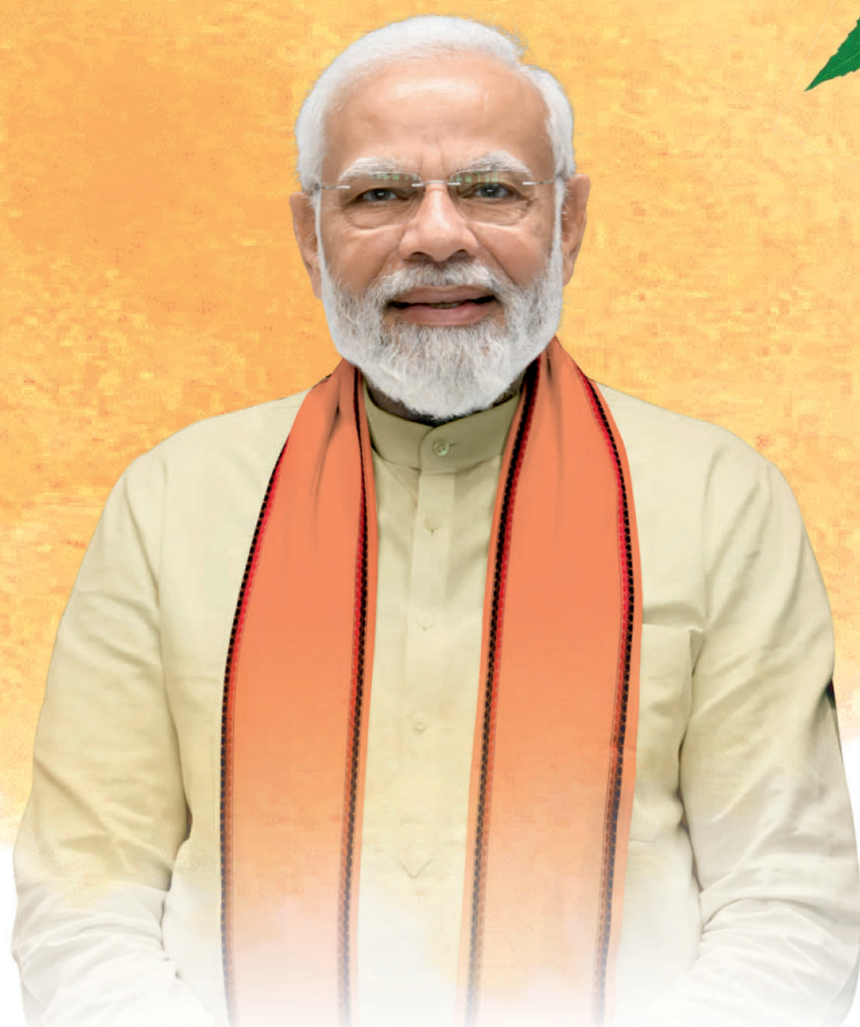

छत्तीसगढ़ शासन

विष्णु के सुशासन से
सँवर रहा छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

हरेली तिहार

4 अगस्त 2024

जम्मो छत्तीसगढ़िया मन ला गाड़ा- गाड़ा बधाई...

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से जुड़ने के लिए QR CODE स्कैन करें।

खेती- किसानी अउ खुशहाली

धान खरीदी
3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर से किसानों से 21 क्विंटल प्रति एकड़

मिला बकाया धान बोनस
13 लाख किसानों को मिला 2 वर्ष का बकाया धान बोनस, खाते में पहुंचे 3716 करोड़ रुपए

प्रधानमंत्री किसान क्रेडिट कार्ड
सहकारी बैंकों के माध्यम से किसानों को खाद बीज एवं कृषि उपकरणों की खरीदी के लिए शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर लोन

किसानों को अतिरिक्त लाभ
धान का समर्थन मूल्य और रकबा बढ़ने से किसानों को प्रति एकड़ करीब 25,500 रूपए का अतिरिक्त लाभ

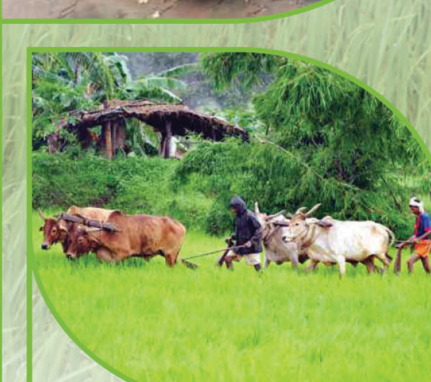

RO-41055/73

महावृक्षारोपण अभियान
एक पेड़ माँ के नाम
प्रदेश में रोपे जा रहे करीब 4 करोड़ पौधे

हमने बनाया है, हम ही सँवारेंगे

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950